मार्च 2024

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

लोकसभा चुनाव 2024

लोकतंत्र बचाने की लड़ाई

R.N.I. No. 68832/97

समाजवादी विचारधारा का मुख्य उद्देश्य केवल सत्ता हासिल करना ही नहीं बल्कि व्यवस्था परिवर्तन है। व्यवस्था बदलेगी तभी वास्तविक अर्थों में समाजवाद आएगा। समाजवादी पार्टी के युवा नेताओं और कार्यकर्ताओं को इसका विशेष रूप से ध्यान रखना होगा। तभी वे सच्चा समाजवाद स्थापित करने के लक्ष्य को पा सकेंगे।

मुलायम सिंह यादव
संस्थापक, समाजवादी पार्टी

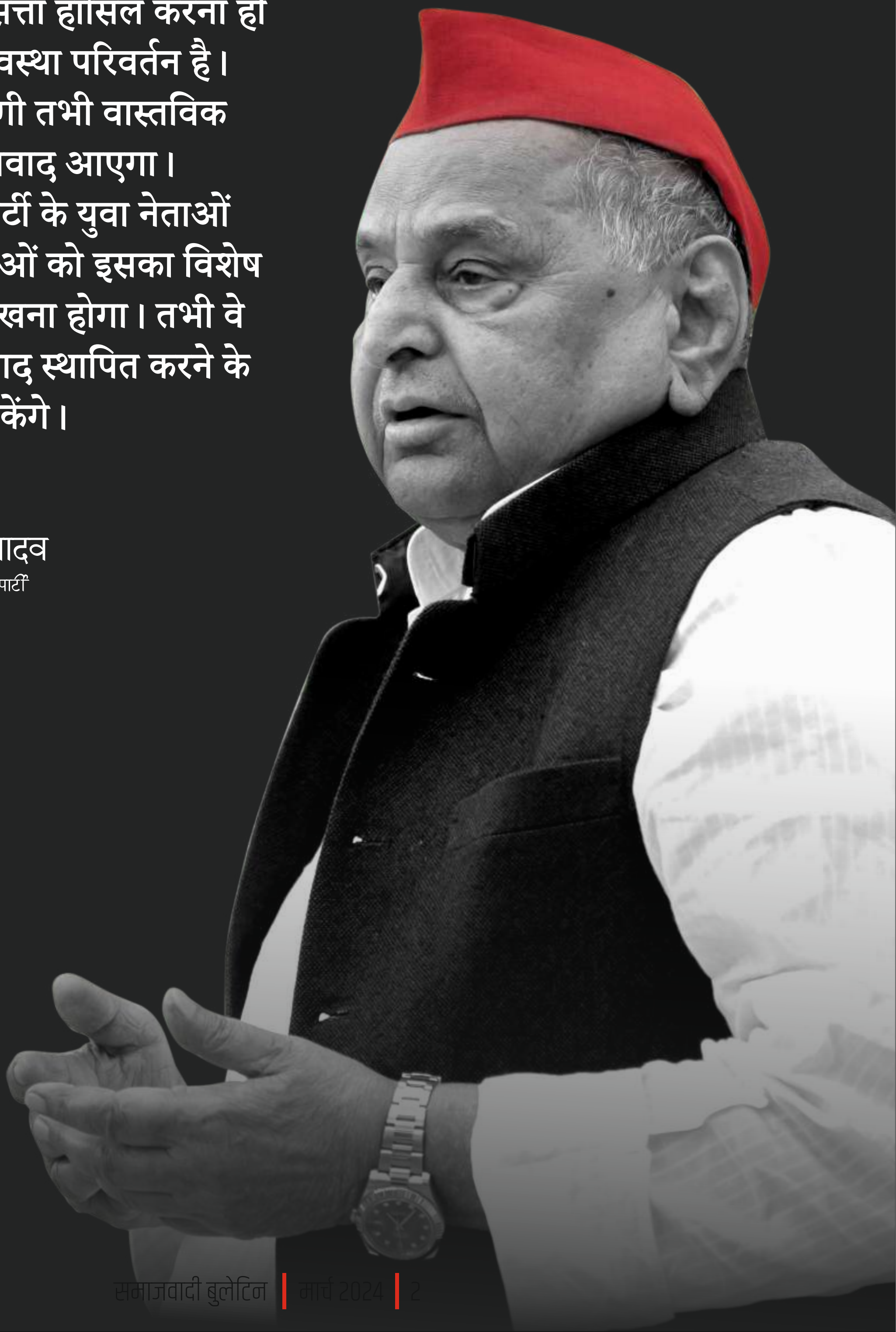

समाजवादी बुलेटिन
मार्च 2024
वर्ष 25 | संख्या 05

प्रिय पाठकों,

आपको बधाई एवं हृदय तल से आभार। आपकी प्रिय पत्रिका समाजवादी बुलेटिन अपने रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। आप सभी के प्यार और उत्साहवर्धन की बदौलत यह संभव हो पाया। समाजवादी बुलेटिन के ढाई दशक के सफर में इसके नए कलेवर को आपने खूब सराहा। हम भरोसा दिलाते हैं कि वैचारिक स्तर पर आपको समृद्ध करने का हमारा प्रयास सतत जारी रहेगा। कृपया अपना स्नेह यूं ही बनाए रखें।

धन्यवाद

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक
प्रोफेसर रामगोपाल यादव
☎ 0522 - 2235454
samajwadibulletin19@gmail.com
bulletinsamajwadi@gmail.com
Mob:- 9598909095
/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए
19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित
अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

युवाओं से अखिलेश की अपील 04

08 कवर स्टोरी लोकतंत्र बचाने की लड़ाई

चंदा लेकर धंधा देने का खेल 38

इलेक्टोरल बॉन्ड असंवैधानिक करार दिया जा चुका है। फिर भी इलेक्टोरल बॉन्ड के समर्थन में सत्ताधारी दल खड़ा है। सवाल उठाए जा रहे हैं कि इलेक्टोरल बॉन्ड के बगैर चुनाव में कालाधन का उपयोग बढ़ जाएगा। लेकिन, इस सवाल की आड़ में असली सवाल को गुम किया जा रहा है कि इसी कालेधन का डर दिखाकर भ्रष्टाचार को शिष्टाचार में क्यों बदला गया?

आजम साहब पर लगाए गए मामले झूठे: अखिलेश 06

लगातार पर्चा लीक, सरकार बेफिक्र 42

प्रिय विद्यार्थी युवाओं

PDA की एकजुटता ने JNU छात्र संघ चुनाव में समेकित रूप से सभी महत्वपूर्ण पदों पर जीत हासिल करी है और भाजपा समर्थित एबीवीपी को भारी अंतर से बुरी तरह हराया है। दलित अध्यक्ष सहित सभी विजयी पदाधिकारियों और उन्हें चुनने वाले सजग, सतर्क मतदाता विद्यार्थियों को भी बहुत बधाई और JNU की नकारात्मक छवि बनानेवालों को आगे भी यूँ ही हराते रहने व देशहित में सकारात्मक राजनीति का झंडा फहराते रहने के लिए शुभकामनाएँ!

JNU के छात्रों की तरह देश भर के युवा आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा राज में फैली 'अभूतपूर्व बेरोज़गारी', पेपर लीक होने की वजह से कहीं 'नौकरी न मिलने की हताशा' और 'इलेक्टोरल बॉण्ड' के रूप में फैले भाजपा के 'अथाह भ्रष्टाचार' को हमेशा के लिए दूर करने के लिए, महंगी पढ़ाई और चतुर्दिक महंगाई से त्रस्त अपने परिवारों और आसपास के लोगों को भी भाजपा के ख़िलाफ़ मतदान करने के लिए प्रेरित करेंगे।

साथ ही इस बार लोकसभा व अन्य चुनावों में युवा :
- मतदान स्थल पर आख़िरी क्षण तक फ़र्ज़ी मतदान पर सजग निगाह रखने;
- EVM के सीलबंद होने;
- EVM मशीन रखने के स्थान तक मशीनों के सुरक्षित पहुँचने;
- EVM के गोदामों पर 24 घंटे हर तरफ से चतुर्दिक चौकीदारी करने, किसी को EVM गोदामों के आसपास फटकने न देने के लिए लामबंद रहने;
- मतगणना के दिन सक्रिय रहकर हर तरह से नज़र रखने व
- चुनाव परिणाम आने व जीत का सर्टिफिकेट न मिल जाने तक डटे रहने का काम करें।

इस सजगता से ही 'वोट की रक्षा' की जा सकती है और जनता के हित में सकारात्मक परिणाम आ सकते हैं। इसीलिए अपने देश के भविष्य की रक्षा करने के लिए हम अपने अभियान 'मतदान भी-सावधान भी' के तहत युवाओं से अपील करते हैं कि 'न लापरवाही, न ढिलाई' और 'जब तक जीत का प्रमाण नहीं, तब तक विश्राम नहीं'!

'युवा विरोधी भाजपा' को आप सब 'युवक-युवती की एकजुट शक्ति' हरा देगी।

#नहीं_चाहिए_भाजपा

भाजपा हटाओ, देश बचाओ!
भाजपा हटाओ, नौकरी पाओ!
भाजपा हटाओ, भविष्य बचाओ!
भाजपा हटाओ, संविधान बचाओ!

आपका अखिलेश

आजम साहब पर लगाए गए मामले झूठे

- अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 22 मार्च को सीतापुर जेल पहुंचकर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद आजम खान साहब से मुलाकात की। श्री अखिलेश यादव ने आजम साहब व उनके परिवार का हालचाल जाना।

आजम साहब से मुलाकात के बाद श्री अखिलेश यादव ने पत्रकारों से कहा कि भाजपा सरकार ने पूर्व मंत्री व कद्दावर नेता मोहम्मद आजम खान साहब पर झूठे मुकदमे लगाए। भाजपा सरकार मोहम्मद आजम खान साहब और उनके परिवार को परेशान कर रही है। यह अमानवीय कृत्य है। उन्होंने कहा कि मोहम्मद आजम खान साहब के परिवार और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भाजपा इसलिए परेशान कर रही क्योंकि उसे लगता है कि ये लोग ताकत बनकर उभरेंगे। भाजपा उन्हें दबाने के लिए

झूठे मुकदमों में फंसा रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि बहुत जल्द आजम खान साहब को न्याय मिलेगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार झूठे मुकदमों के मामले में विश्व रिकॉर्ड से आगे जा चुकी है। भाजपा अब झूठे मुकदमों का ब्रह्मांड रिकॉर्ड बना रही है। भाजपा संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। भाजपा विपक्ष की आवाज को दबा रही है।

उन्होंने कहा कि इलेक्टोरल बांड के मामले में भाजपा ने भारी घपला किया है। इलेक्टोरल बांड के खुलासे से भाजपा का बैंड बज गया है, उसी के कारण दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी हुई है। ताकि लोगों का ध्यान भटकाया जा सके। भाजपा सरकार के पास इलेक्टोरल बांड में घपलेबाजी और वसूली का कोई जवाब नहीं है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार चाहे जितना अन्याय कर ले, झूठे मुकदमे लगा दे लेकिन एक दिन सच्चाई की ही जीत होगी। विपक्षी नेताओं और मुख्यमंत्रियों को जेल भेजने और न्यूज कन्ट्रोल करने से भाजपा चुनाव नहीं जीत सकती है। देश की जनता भाजपा के अन्याय और झूठ के खिलाफ खड़ी होगी। जनता केन्द्र की सत्ता को हटाकर लोकतंत्र और संविधान बचाने का काम करेगी।

श्री यादव ने कहा कि जनता देख रही है भाजपा ने चंदा के नाम पर जिस तरह से इलेक्टोरल बॉण्ड की वसूली की है। देश के इतिहास में इस तरह की वसूली कभी नहीं हुई। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था खराब है। कोई सुरक्षित नहीं है। देश में सबसे ज्यादा हिरासत में मौतें यूपी में हो रही है। प्रदेश में कानून व्यवस्था जीरो टॉलरेंस से जीरो हो चुका है। अपराधी खुले आम हत्याएं कर रहे हैं। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। आर्थिक तंगी गरीबी और महंगाई से किसान त्रस्त है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पीडीए की एकता और इंडिया गठबंधन से घबराई हुई है। जनता मतदान की तारीखों का इंतजार कर रही है। लोकसभा चुनाव में जनता भाजपा को सबक सिखाएगी। इस चुनाव में पीडीए भाजपा को हराएगा। इंडिया गठबंधन जीतेगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों से महंगाई, बेरोजगारी चरम पर पहुंच गई है। किसान, नौजवान, गरीब, मध्यम वर्ग, महिलाएं सभी परेशान हैं। भाजपा ने युवाओं को धोखा दिया है। युवाओं से झूठे वायदे किए। नौकरियां नहीं दी। उत्तर प्रदेश में नौकरियों की परीक्षा के पेपर लीक हो जाते हैं। भाजपा जानबूझकर पेपर लीक कराती है जिससे युवाओं को नौकरी न देना पड़े। भाजपा की नीयत साफ नहीं है। प्रतियोगी छात्र भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली से निराश और आक्रोशित हैं। लोकसभा चुनाव में यही नौजवान भाजपा को सत्ता से हटा देगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव में किसान, नौजवान, व्यापारी सभी भाजपा सरकार के खिलाफ हैं। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, गरीबों के साथ अन्याय, इलेक्टोरल बॉण्ड में बड़े पैमाने पर हुए घपलेबाजी का मुद्दा चुनाव में हावी है। भाजपा में घबराहट है। चुनाव को लेकर भाजपा डरी हुई है। मुद्दों को बदलने के लिए भाजपा नेताओं को झूठे मामलों में गिरफ्तार करा रही है।

जनता सब समझ रही है। जनता भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकेगी। भाजपा घबराहट में नेताओं के खिलाफ ईडी, सीबीआई, आईटी का प्रयोग कर रही है। इंडिया गठबंधन के साथी मजबूती से लड़ेंगे। जनता को न्याय दिलाएंगे।

श्री यादव ने नेताओं, कार्यकर्ताओं और आम जनता को मतदान तक भाजपा से सावधान रहने की अपील करते हुए कहा कि भाजपा चुनाव में कुछ भी कर सकती है। भाजपा लोकतंत्र खत्म कर रही है। लोकतंत्र बचाने के लिए मीडिया भी आगे आए। उन्होंने कहा कि समय बहुत बलवान है। जनता वोट डालने का इंतजार कर रही है। जनता को अब अपने वोट से भाजपा को सत्ता से बेदखल करने का मौका मिलने वाला है।

कवर स्टोरी

लोकसभा चुनाव 2024

लोकतंत्र बचाने की लड़ाई

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव बीते करीब दो वर्षों से देश और समाज को लगातार आगाह करते रहे हैं कि सत्ताधारी भाजपा का मूल उद्देश्य भारत से लोकतंत्र और संविधान को समाप्त करना है। लोकसभा चुनाव 2024 की घोषणा के साथ ही यह स्पष्ट रूप से सामने आ गया है कि यदि इस बार भाजपा को रोका नहीं गया तो लोकतंत्र को बचाना मुश्किल हो जाएगा। श्री अखिलेश यादव ने जिस खतरे की ओर संकेत किया था, उसे अब विपक्षी दलों का समूह इंडिया और समाज का प्रगतिशील तबका भी मानने लगा है।

लोकतंत्र की जड़ें मजबूत करने में समाजवादी पार्टी कभी हिचकी नहीं। यही वजह है कि देश के लिए समाजवादी पार्टी ने कोई भी समझौता करने में कदम नहीं खींचे। लोकसभा चुनाव में लोकतंत्र बचाने की चुनौती कबूल करते हुए सपा ने इंडिया गठबंधन में यूपी का नेतृत्व करना स्वीकार कर लिया। देश की राजनीति में यह स्पष्ट रूप से स्थापित है कि यूपी में भाजपा से समाजवादी पार्टी ही डटकर मुकाबला करती है। यही वजह है कि जैसे ही समाजवादी पार्टी ने इंडिया गठबंधन की यूपी में नेतृत्व की बागडोर संभाली, देश के दूसरे दल भी लोकतंत्र बचाने की इस लड़ाई में साथ आ गए।

जाहिर है, सब साथ हैं तो लोकतंत्र बचाने की यह लड़ाई, समाजवादी पार्टी और उसका सहयोगी गठबंधन ही जीतेगा जिसके नतीजे 4 जून को देश के सामने होंगे। जनता जीतेगी और भाजपा हारेगी। लोकतंत्र बचेगा भी और उसकी जड़ें और मजबूत होंगी क्योंकि देश के लोकतांत्रिक ढांचे को लगातार कमजोर कर रही भाजपा को सत्ता से बेदखल करने की समाजवादी पार्टी की लड़ाई अब परवान चढ़ चुकी है। लोकतंत्र-संविधान बचाने के लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के साथ जिस तरह समाज का सभी तबका मजबूती से जुड़ रहा है, यह संकेत है कि यूपी से भाजपा की विदाई होने के साथ ही देश की सत्ता से भी भाजपा का जाना तय है।

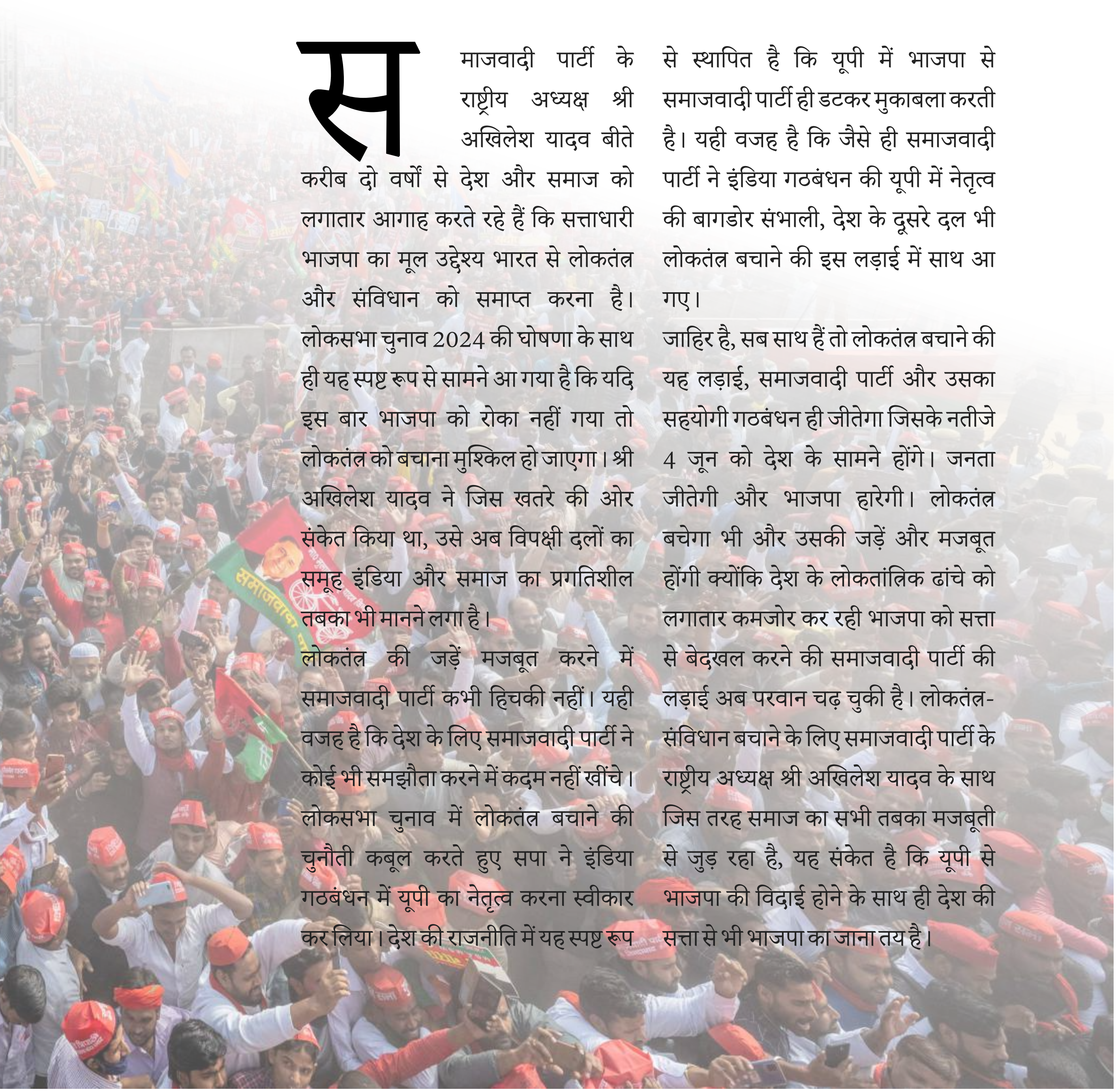

अब यह बात जनता स्पष्ट रूप से जान चुकी है कि भाजपा लोकतांत्रिक ढांचे को बदलने पर तुली हुई है और दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में लोकतंत्र की जड़ें कमजोर कर रही है। पिछले 10 साल से भाजपा संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के सपनों को मटियामेट कर रही है।

10 साल में देश की हालत अब किसी से छुपी नहीं हुई है। महंगाई, बेरोजगारी ने जिस तरह पैर पसारे हैं, इससे भी जनता टूट चुकी है। जनता की समझ में आ चुका है कि भाजपा राज में जुमलेबाजी के अलावा कुछ नहीं है।

जिस तरह सरकारी संस्थान को निजी हाथों पर बेचने की प्रक्रिया चली उसने भी जनता की आंखें खोल दी हैं। सरकारी नौकरियों से आरक्षण खत्म करने और हक देने के लिए जातीय जनगणना जैसे अहम मसले को दरकिनार करने की भाजपा की कोशिशें भी यह साफ करने के लिए काफी है कि आरक्षण को लेकर भाजपा की नीयत और इरादा नेक नहीं है।

बीते 10 साल में भाजपा सरकार ने जिस तरह संवैधानिक संस्थाओं का अपने दल के हित में दुरुपयोग किया है, वह स्पष्ट और प्रमाणिक रूप से सामने आ चुका है। ईडी, सीबीआई के जरिये भाजपा ने विरोधी दलों के नेताओं पर जिस तरह आरोप मढ़े हैं, वह भी जनता की समझ में आ चुका है।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए लड़ाई लड़ना समाजवादी विचारधारा का मूल सिद्धांत है। सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने हमेशा ही यह वकालत की और उसपर अमल किया कि समाजवादी विचारधारा केवल सत्ता के लिए नहीं बल्कि व्यवस्था परिवर्तन के लिए काम करती है

जनता अब यह सवाल करने लगी है कि ईडी और सीबीआई जैसी संस्थाओं का अगर दुरुपयोग न होता तो सिर्फ विरोधी दल के नेताओं पर ही क्योंकर शिकंजा कसा जाता और भाजपा के साथ आने पर ऐसे नेताओं के साथ नरमी क्यों की जाती। जाहिर है, अब जनता की तरफ से यह सवाल उठ रहे हैं कि अगर विरोधी दलों के ये नेता दोषी होते हैं तो भाजपा के साथ आने पर दूध के धुले कैसे हो जाते हैं।

आरक्षण खत्म करने के मंसूबों, संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग और देश में कमरतोड़ महंगाई, बेरोजगारी के खिलाफ नाराज जनता की मजबूत लड़ाई यूपी में समाजवादी पार्टी ही लड़ रही है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जिस तरह डटकर भाजपा की नीतियों-कार्यक्रमों का मुकाबला कर रहे हैं उससे यूपी के साथ ही देश की राजनीति में भी संदेश गया है। यही वजह है कि यूपी से भाजपा के खिलाफ छिड़ी लड़ाई अब देश की लड़ाई बन चुकी है।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए लड़ाई लड़ना समाजवादी विचारधारा का मूल सिद्धांत है। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह

फोटो स्रोत : गूगल

फोटो स्रोत : गूगल

यादव ने हमेशा ही यह वकालत की और उसपर अमल किया कि समाजवादी विचारधारा केवल सत्ता के लिए नहीं बल्कि व्यवस्था परिवर्तन के लिए काम करती है। इस सिद्धांत पर ही अमल करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव देश के लोकतंत्र को मजबूत करने में जुटे हुए हैं। उनकी नजर में व्यवस्था परिवर्तन इसलिए भी जरूरी है ताकि पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यकों को उनका हक दिलाया जा सके। पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यकों यानि पीडीए की उनकी मुहिम को समाज न सिर्फ सराह रहा बल्कि लगातार उनका साथ दे रहा है।

कई मौकों पर यह भी स्पष्ट हो चुका है कि कमजोर तबके के पीडीए को अधिकार दिलाने के लिए समाजवादी पार्टी की यह मुहिम चल रही है मगर इसका यह मतलब नहीं है कि दूसरे वर्ग को अधिकार नहीं मिलना चाहिए। समाजवादी पार्टी ने सवर्ण समाज को भी जिस तरह तरजीह दी और उनके अधिकारों की भी वकालत की जिससे स्पष्ट हो चुका है कि यह एकमात्र ऐसी पार्टी है जोकि समाज के सभी वर्ग को समान अधिकार दिलाने की वकालत करती है। समाजवादी पार्टी का स्पष्ट मानना है कि वंचितों को पहले उनका अधिकार मिलना चाहिए।

समाजवादी पार्टी की स्पष्ट नीतियों, संघर्ष का ही नतीजा है कि बीते जनवरी माह से फरवरी तक जब यूपी में पीडीए जन पंचायत पखवाड़ा चला तो पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यकों के अलावा समाज के सभी वर्ग ने उत्साह के साथ इसका स्वागत किया, शिरकत की। कई जिलों में सवर्ण समाज के लोगों ने इस पीडीए पंचायत का न केवल आयोजन कराया बल्कि उनके अधिकारों की आवाज भी बुलंद कर समाजवादी पार्टी की मुहिम को बल दिया।

राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना है कि जिस तरीके से लोकतंत्र बचाने की लड़ाई को उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम यानी भारत के हर कोने में जन समर्थन मिल रहा है उससे साफ है कि भाजपा के मंसूबे पूरे नहीं होंगे। चुनाव में भाजपा की विदाई होगी और लोकतंत्र बचाने की लड़ाई में विपक्ष और देश की जनता को कामयाबी मिलेगी।

कवर स्टोरी

लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा का चुनाव

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि लोकसभा चुनाव 2024 को लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा का चुनाव है और इससे भारत का भविष्य तय होना है। इसलिए कार्यकर्ताओं-नेताओं को चुनाव प्रचार में जुट जाना है। उन्होंने आगाह किया है कि इस चुनाव के बाद भाजपा अगर जीती तो जनता को वोट का अधिकार से भी वंचित कर देगी इसीलिए जनता भाजपा को हराकर लोकतंत्र को बचाने के लिए तैयार रहे। उन्होंने कहा कि हम सभी को पीडीए के माध्यम से भाजपा को परास्त करना है।

16 मार्च को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं से मुखातिब होते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर है। भाजपा सरकार में सबसे ज्यादा घोटाले और घपले हुए हैं। लोगों को फर्जी केसों में फंसाने और विपक्षी नेताओं को बदनाम करने के लिए ईडी, सीबीआई, इनकमटैक्स का दुरुपयोग किया जा रहा है। भाजपा सरकार में कालाधन और बढ़ा है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि महिला अपराध में उत्तर प्रदेश, देश में नंबर वन पर है। हिरासत में मौतों के मामले में भी उत्तर प्रदेश अव्वल है। महिलाएं एवं बच्चियां उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक असुरक्षित हैं। भाजपा सरकार में बहन-बेटियां रोज ही हैवानियत की शिकार हो रही हैं। घटनाओं से मुख्यमंत्री जी का जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो हो गया है जबकि अपराधी को अगले चौराहे पर पकड़ कर सबक सिखाएंगे का दावा किया गया था जोकि हवा हवाई बनकर रह गया है।

श्री यादव ने कहा कि कानून व्यवस्था चौपट है। भाजपा सरकार में किसी की भी जान जा सकती है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। नौजवानों को नौकरी और रोजगार देने का वायदा जुमला निकला। प्रदेश में न कहीं निवेश हुआ और न ही कोई फैक्ट्री या उद्योग लगा। नौकरी देने वाली भर्ती परीक्षा का जानबूझकर पेपर लीक कराकर भाजपा सरकार ने नौजवानों को बर्बाद कर दिया है। भाजपा सरकार किसी को नौकरी नहीं देना चाहती है।

श्री यादव ने कहा कि जनता का हर वर्ग भाजपा सरकार में परेशान है। जनता महंगाई, बेरोजगारी से निराश और हताश है। किसान, नौजवान सभी आक्रोशित हैं। भाजपा सरकार में संविधान और लोकतंत्र खतरे में है। संविधान में दिए गए अधिकारों को छीना जा रहा है। संविधान में समाज के कमजोर वर्ग शोषित वंचितों के लिए आरक्षण की जो व्यवस्था की गई थी उसे भी निजीकरण करके आउटसोर्सिंग के जरिये भाजपा सरकार समाप्त कर रही है। बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर ने नागरिकों को सम्मान से जीने के लिए जो संवैधानिक

व्यवस्था की थी उन्हें भी समाप्त करने की साजिशें हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर ने यह पहले ही आशंका जताई थी कि संविधान के अच्छे होने के बावजूद सत्ता के दुरुपयोग और सत्ताधारी की नीयत से इसकी व्यवस्थाओं का दुरुपयोग भी हो सकता है। आज जो सत्ता में हैं उन्हें न संविधान की मर्यादा की चिंता है और न ही लोकतंत्र को बचाए रखने का इरादा है। सत्ता और केवल सत्ता पर कब्जा बनाए रखने की ही भाजपा की राजनीति ने जनता के हितों को ताक पर रख दिया है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जबसे भाजपा सत्ता में आई है, संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का काम किया गया है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में जो मूल्य गढ़े गए थे, भाजपा और उसके मातृ संगठन आरएसएस ने उनका न केवल मखौल उड़ाया है बल्कि उनका तिरस्कार भी किया है।

जनता के अधिकारों के अपहरण में भाजपा ने सभी मूल्यों, आदर्शों को तिलांजलि देकर केवल सत्ता भोग को ही अपना एक मात्र ध्येय निर्धारित कर रखा है। यही वजह है कि भाजपा सरकार में आर्थिक गैर बराबरी बढ़ी है और समाज बंटा है। नफरत का माहौल बना है। सामाजिक न्याय की उपेक्षा हुई है। उन्होंने कहा कि सत्तासीन पूंजीपतियों की गोद में बैठ गए हैं और गरीब, किसान, मजदूर उनकी प्राथमिका में नहीं है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सबसे कायर पार्टी है। वह जनाक्रोश से डरी है इसलिए सत्ता के लिए सभी मर्यादाएं तोड़ रही है। सत्ता के लिए भाजपा कुछ भी कर सकती है। उन्होंने आह्वान किया कि राष्ट्रीय अस्मिता को बचाने, लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए भाजपा सरकार को हटाना समाजवादी पीडीए और इंडिया गठबंधन का एक मात्र लक्ष्य है।

उन्होंने विश्वास के साथ कहा कि पीडीए ही आज की समस्याओं का समाधान है। पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और आधी आबादी परितर्वन के संदेशवाहक बनेंगे। जनता बदलाव के लिए संकल्प के साथ मतदान का इंतजार कर रही है।

लोकतंत्र बचाने को

यूपी मथ रहे अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

देश के लोकतांत्रिक ढांचे को बचाने और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव दिनरात एक किए हुए हैं। लोकतंत्र बचाने की इस लड़ाई में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित कराने के लिए श्री अखिलेश यादव ने बीते दिनों यूपी के तमाम जिलों का दौरा किया। यूपी को लगातार मथ रहे श्री अखिलेश यादव को जिलों में मिल रहे व्यापक जनसमर्थन से स्पष्ट है कि उनका यह संघर्ष रंग लाने वाला है और इस लोकसभा चुनाव 2024 में सभी 80 सीटों पर समाजवादी पार्टी की जीत पक्की है।

संभल, प्रयागराज, फिरोजाबाद और नोयडा समेत अन्य जिलों के दौरों पर पहुंचे श्री अखिलेश यादव ने नारा दिया कि भाजपा हटाओ-लोकतंत्र बचाओ। भाजपा हटाओ-संविधान बचाओ। भाजपा हटाओ-नौकरी पाओ। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं, आमजन को उन्होंने बताया कि किस तरह लोकतंत्र पर खतरा मंडरा रहा है और भाजपा किस तरह लोकतंत्र की नींव को कमजोर करने पर तुली हुई है। जिलों में श्री अखिलेश यादव के समर्थन में आमजन के उत्साह के साथ शामिल होने से समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता उत्साहित हैं। जाहिर है, यह उत्साह लोकसभा चुनाव में भाजपा का यूपी से सफाया करने के काम आएगा।

6 मार्च को संभल पहुंचे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि यह लोकसभा चुनाव संविधान, लोकतंत्र, किसानों और नौजवानों के भविष्य को बचाने का चुनाव है। चुनाव में एक तरफ समाजवादी पार्टी और सहयोगी दल हैं, जो बाबा साहब के संविधान और देश के लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं, दूसरी तरफ भाजपा है जो संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। बाबा साहब ने जो संविधान दिया है वह सभी को बराबरी का हक देता है। गरीबों को आगे बढ़ने का अवसर देता है लेकिन भाजपा भेदभाव करती है। देश की गंगा-जमुनी तहजीब को नष्ट कर रही है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने नौजवानों को नौकरी रोजगार के झूठे सपने दिखाए हैं। आज गांव-गांव में बड़ी संख्या में नौजवान बेरोजगार हैं। दरअसल, भाजपा ने नौजवानों की पूरी पीढ़ी का भविष्य बर्बाद कर दिया।

7 मार्च को प्रयागराज के दौरे पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन और पीडीए देश में परिवर्तन लाएगा। इंडिया गठबंधन

JUSTICE
FOR
PDA

भाजपा को देश में 400 सीटों पर हराएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र को खत्म कर रही है। लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए भाजपा को हटाना होगा। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों और नौजवानों के सामने संकट पैदा किया है। भाजपा ने जनता से झूठा वायदा किया। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। महंगाई बढ़ती गई लेकिन किसानों को उनकी फसलों का सही मूल्य नहीं मिला।

उन्होंने कहा कि प्रयागराज में परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र-नौजवान जानते हैं कि नौकरी के लिए उन्हें कितना संघर्ष करना पड़ता है। पुलिस भर्ती परीक्षा, आरओ और एआरओ परीक्षा का पेपर लीक हुआ। इसके पहले कई प्रतियोगी परीक्षा का पेपर लीक हो चुका है। इस सरकार में हर पेपर लीक हो रहा है। भाजपा सरकार जानबूझ कर पेपर लीक कराती है जिससे नौकरी न देनी पड़े। श्री अखिलेश यादव ने आह्वान किया कि नौजवानों को नौकरी पाना है तो भाजपा सरकार को हटाना होगा। भाजपा सरकार के रहते युवाओं को नौकरी-रोजगार नहीं मिलेगा।

इससे पहले 23 फरवरी को फिरोजाबाद जनपद के कई कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में किसान और नौजवान बहुत दुःखी हैं। अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों को भाजपा सरकार अपमानित कर रही है। पुलिस और पीएसी लगाकर आंदोलन को कुचल रही है। किसानों को लाठी डंडो और आसूं गैस का सामना करना पड़ रहा है। किसान देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है। देश की सेवा करता है, लेकिन सरकार तरह-तरह से उनपर बल प्रयोग कर प्रताड़ित करने का काम रही है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने आम जनता, किसानों, नौजवानों की परेशानी खत्म करने, भाजपा के भ्रष्टाचार और अन्याय से निजात दिलाने के लिए गठबंधन किया है। समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन को मजबूत कर रही है। उत्तर प्रदेश में गठबंधन हो जाने के बाद जगह-जगह से व्यापक समर्थन में सूचनाएं आ रही हैं। लोगों में उत्साह है। लोग बधाई दे रहे हैं। इंडिया गठबंधन पूरे देश में मजबूत हो रहा है। इंडिया गठबंधन पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगा और जीतेगा। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश और देश की जनता भाजपा को सत्ता से हटाने का काम करेगी।

श्री यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में बड़ी लड़ाई है। यह लोकतंत्र, बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के संविधान और आपसी भाईचारा को बचाने का चुनाव है।

पटना में जनविश्वास रैली

आकर्षण का केंद्र रहे अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

बिहार की राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में 3 मार्च को हुई राष्ट्रीय जनता दल की विशाल जनविश्वास रैली में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव आकर्षण का केंद्र रहे। रैली में बिहार के कोने-कोने से आई जबरदस्त भीड़ को संबोधित करते हुए सपा मुखिया ने कहा कि यूपी-बिहार की जनता इंडिया गठबंधन को 120 सीटें जिताकर बदलाव लाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन यूपी की 80 की सीटें और बिहार की 40 सीटें

जीतने जा रहा है। उन्होंने जनविश्वास रैली में नारा दिया- 120 लाओ-देश बचाओ।

जनविश्वास रैली में उमड़े जनसैलाब को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी की 80 व बिहार की 40 सीटों पर भाजपा को हराना है। यूपी-बिहार से ही देश में बदलाव आया है और इस बार भी यहीं से बदलाव की बयार बह रही है। इंडिया गठबंधन के पक्ष में लहर है और दोनों प्रदेशों की 120 सीटें जीतकर देश की सत्ता से भाजपा को बेदखल करने के लिए यूपी-बिहार तैयार है।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में संविधान मंथन होने जा रहा है। एक तरफ संविधान के रक्षक हैं तो दूसरी तरफ संविधान के भक्षक। देश के लोकतंत्र को भाजपा कमजोर कर रही है। संविधान व लोकतंत्र को बचाने के लिए भाजपा को सत्ता से बेदखल करना जरूरी है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अगर उत्तर प्रदेश 80 हराओ का नारा दे रहा है तो बिहार भी पीछे नहीं है। जनविश्वास रैली में उन्हें जनता का विश्वास दिख रहा है कि बिहार से भी 40 हराओ का नारा निकल रहा है। उन्होंने कहा कि अगर यूपी-बिहार मिलकर 120 सीटें हरा देंगे तो भाजपा का क्या होगा? उसकी विदाई तय है। उन्होंने कहा कि जनता ने भरोसा कर भाजपा को बहुमत दे दिया मगर उन्होंने नौजवानों को बेरोजगारी दे दी। महंगाई थोप दी। अब इस सरकार की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि अगली बार जब वह पटना के गांधी मैदान में आएंगे तो डबल इंजन वाली भाजपा सरकार सत्ता से बाहर होगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा ने लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा किया है। देश में 80 करोड़ लोग सरकारी राशन पर निर्भर है। 90 फीसदी पढ़ा लिखा नौजवान बेरोजगार है। किसान की आय दोगुनी करने का वायदा, बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी का भाजपा के पास कोई जवाब नहीं है। बढ़ती बेरोजगारी के कारण परेशान युवा आत्महत्या करने पर विवश है। भाजपा की दस साल की सरकार में कर्ज और गरीबी के कारण एक लाख से ज्यादा किसानों ने आत्महत्या कर ली है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार चरम पर है। किसी को न्याय नहीं मिल रहा है। उन्होंने

जयघोष

कहा कि भाजपा सरकार रही तो बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर का बनाया हुआ संविधान खत्म कर देगी। लोगों का हक और सम्मान छीन लिया जाएगा। भाजपा सरकार ने उद्योगपतियों का 15 लाख करोड़ रूपये का कर्ज माफ कर दिया। उसके बाद उन्हीं उद्योगपतियों को फिर से कर्ज दे दिया लेकिन सरकार ने किसानों को उनकी फसलों पर एमएसपी का कानूनी अधिकार नहीं दिया। भाजपा सरकार किसान विरोधी है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा पिछड़े, दलितों, अल्पसंख्यकों का हक छीन रही है। भाजपा केवल वोट लेती है लेकिन पीडीए यानि पिछड़े, दलितों व अल्पसंख्यकों को उनका अधिकार नहीं देती है। भाजपा ने लाखों प्रतियोगी छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। दिखावा करने के लिए भर्ती निकाली थी। भाजपा की नीयत युवाओं को नौकरी रोजगार देने की नहीं थी। सरकार ने जान-बूझकर पेपर लीक कराया जिससे नौकरी न देनी पड़े।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में यही नौजवान भाजपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएगा। उन्होंने कहा कि यह चुनाव लोकतंत्र और संविधान बचाने का चुनाव है। इंडिया गठबंधन एकजुट होकर भाजपा को सत्ता से हटाएगा। लोकतंत्र और संविधान की रक्षा करेगा। यही गठबंधन किसानों, नौजवानों, गरीबों की उम्मीद पूरी करेगा। रैली में राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव समेत विपक्षी गठबंधन के कई अन्य नेता भी उपस्थित थे।

समतामूलक समाज बनाए रखने का चुनाव

फोटो स्रोत : गूगल

अरुण कुमार त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

ऊपरी तौर पर यही दिखता है कि सन 2024 का आम चुनाव हिंदुत्व की विजय के लिए हो रहा है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी चाहते हैं कि संघ के शताब्दी वर्ष में भारत एक हिंदू राष्ट्र बन जाए। इसकी तैयारी भी दिख रही है और क्रिस्टोफ जैफ्रलां जैसे तमाम अंतरराष्ट्रीय राजनीतिशास्त्री कह भी रहे हैं कि इंदिरा गांधी और नरेंद्र मोदी में यही फर्क है कि इंदिरा गांधी की तानाशाही का कोई दीर्घकालिक उद्देश्य नहीं था लेकिन नरेंद्र मोदी की तानाशाही का उद्देश्य देश में हिंदू राष्ट्र कायम करना है लेकिन मामला सिर्फ इतना नहीं है।

थोड़ा गंभीरता से विचार करने पर लगता है कि इस देश में 2024 के चुनाव का असली उद्देश्य पूंजीवाद की अखंड विजय है। इसका प्रमाण अगर देखना हो तो इलेक्टोरल बांड पर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई को देखा जा सकता है। बांड संबंधी सूचनाओं को दबाने के लिए एक ओर भारतीय स्टेट बैंक के वकील हरीश सालवे लगे हुए हैं तो दूसरी ओर पूंजीपतियों की संस्थाएं एसोचेम, सीआईआई और फिक्की के वकील मुकुल रोहतगी लगे हुए हैं। रोचक बात यह है कि वे निरंतर सुप्रीम कोर्ट में जजों की झिड़कियां सुन रहे हैं लेकिन यह सूचनाएं दबाने में लगे हैं कि पूंजीपतियों ने किन दलों को कितना कितना चंदा दिया। यह स्थिति तब है जब 2019 के बाद के चंदे के ब्योरे बताए जाने का आदेश हुआ है। वास्तव में 2018 से 2019 के बीच के चंदे की गोपनीयता तो यथावत है।

इस चुनाव के बाद दो बातें तय होनी हैं। एक तो नीति निर्धारण में पूरी क्रूरता के साथ बहुसंख्यकवाद ही चलेगा या अल्पसंख्यक समाज की भी कुछ चलेगी। दूसरी बात यह है कि कॉरपोरेट के समक्ष नागरिकों और

उनकी संस्थाओं की कोई हैसियत रहेगी या संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों को कॉरपोरेट ही हड़प लेंगे। कुल मिलाकर यह तय होना है कि इस चुनाव के बाद देश में लोकतांत्रिक समाजवाद की गुंजाइश बची रहेगी या फिर यहां चुनावी अधिनायकवाद और कॉरपोरेट हिंदुत्व का राज कायम हो जाएगा। इस बात पर देश में गंभीर बहसें हो रही हैं कि क्या 2024 के बाद देश में चुनाव होगा या नहीं।

अगर होगा तो क्या वह चीन और रूस जैसा होगा जहां पर किसी अधिनायक के बदले जाने की कोई संभावना शेष नहीं रहती, अगर कुछ बदले जाते हैं तो उसके कर्मचारी या सिपहसालार। हाल में रूस में हुए चुनाव में ब्लादीमीर पुतिन की फिर से वापसी उसका प्रमाण है। ऐसा शी जिनपिंग के साथ होता रहता है और तुर्की के तानाशाह तैयब अर्दोआन के साथ भी।

हाल में एक वीडियो वायरल हुआ है और जिसमें यह सवाल उठाया गया है कि क्या भारत में लोकतंत्र समाप्त हो रहा है। यह वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफार्म के चर्चित नाम ध्रुव राठी का है।

ध्रुव राठी ने कोई नई बात नहीं कही है बल्कि इस स्तंभकार जैसे और दूसरे प्रस्तोताओं जैसे तमाम पत्रकार जो बात पिछले कई वर्षों से कह रहे हैं उसे कुछ आंकड़ों के साथ रख दिया है।

उनकी इस प्रस्तुति पर न सिर्फ नागरिकों के बड़े समूह ने दृष्टिपात किया है बल्कि योगेंद्र यादव जैसे राजनीतिशास्त्रियों ने भी टिप्पणियां की हैं। योगेंद्र यादव ने कई विदेशी राजनीतशास्त्रियों के हवाले से कहा है कि भारत में अब उस तरह की तानाशाही नहीं आ रही है जो सोवियत संघ के विघटन के पहले सैनिक विद्रोह के हवाले से आया करती थी। अब जो भी तानाशाही आ रही है वह लोकतांत्रिक तरीके से ही आएगी और उन्होंने उसे प्रतिस्पर्धी अधिनायकवाद का नाम दिया है।

कई राजनीतिशास्त्रियों को आशा है कि भारत में लोगों के स्वभाव में जनतंत्र पैठ चुका है और उसे पूरी तरह से निकाल पाना आसान नहीं है। उसका तत्व कायम रहेगा और राष्ट्रीय सरकार के स्तर पर न सही

इस चुनाव के बाद दो बातें तय होनी हैं। एक तो नीति निर्धारण में पूरी क्रूरता के साथ बहुसंख्यकवाद ही चलेगा या अल्पसंख्यक समाज की भी कुछ चलेगी। दूसरी बात यह है कि कॉरपोरेट के समक्ष नागरिकों और उनकी संस्थाओं की कोई हैसियत रहेगी या संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों को कॉरपोरेट ही हड़प लेंगे

लेकिन प्रदेशों के स्तर पर वह अपने को अभिव्यक्त करता रहेगा।

लेकिन भारत की क्षेत्रीय राजनीति में लोकतंत्र के पालने पोसने का सिद्धांत अब निरंतर कमजोर होता गया है और उसकी वह स्थिति नहीं है जो नब्बे के दशक में विश्वनाथ प्रताप सिंह के जनमोर्चा और फिर राष्ट्रीय मोर्चा और बाद में यूपीए यानी संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के साथ थी। सरकारें चलाने और गिराने में तब भी नेताओं के व्यक्तिगत हित और क्षेत्रीय हित काम करते थे लेकिन उनके साथ लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता की एक झीनी चादर भी रहती थी।

चाहे वह जयललिता का निर्णय रहा हो या गिरधर गोमांग का निर्णय रहा हो लेकिन ऐसा साहस तब राजनेताओं में हुआ करता था कि हिंदुत्व का ढंके तरीके से प्रतिनिधित्व कर रही सरकारों को गिरा देने का साहस उनके भीतर होता था और यह भय भी नहीं होता था कि उसके बाद ईडी उन्हें बुलाएगी, सीबीआई उन्हें बुलाएगी और उनकी जगह जेल में होगी।

2024 के इस चुनाव की अतीत के दो चुनावों से तुलना की जा रही है। एक तो 1977 का चुनाव और दूसरा 1989 का चुनाव। 1989 में राजनीति का मंच जितना खुला था और मीडिया को जितना खुलकर काम करने और खोजी खबरें करने की आजादी थी वह 1977 में नहीं थी। इसलिए यह चुनाव 1989 के मुकाबले 1977 के ज्यादा करीब है।

उस समय कई नेता जेल में थे, कई छूटे थे और कई छूटने वाले थे। आज लगभग वही स्थिति है। कई नेता जेल से बाहर हैं तो कई को चुनाव के दौरान ही जेल भेजे जाने की तैयारी है तो कई को चुनाव के बाद भेजा जाएगा। लेकिन 1977 और 2024 के चुनाव में बड़ा अंतर यही है कि तब जनता इतनी हिंदू नहीं हुई थी और न ही इतनी प्रजा बनी थी। उसके भीतर नागरिकता के तत्व

बचे हुए थे। उसके भीतर दमन के विरुद्ध विद्रोह की चेतना थी। उसके भीतर राजनीतिक नैतिकता थी और चुनाव धनबल और राज्यबल के इतने अधीन नहीं था।

तब जयप्रकाश नारायण नाम के एक स्वतंत्रता सेनानी और समाजवादी नेता भी जिंदा थे। उनके संपूर्ण क्रांति के आंदोलन का उत्तर भारत में असर था और उत्तर भारत ने एक सिरे से इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी को खारिज कर दिया था।

उस चुनाव से सबक लेकर इंदिरा गांधी भी संभल गई थीं और उन्होंने दोबारा वैसी कोई कोशिश नहीं की और न ही कांग्रेस के किसी नेता ने वैसा प्रयास किया। विडंबना देखिए कि 1977 के चुनाव में जो जनसंघ तानाशाही से लड़ रहा था आज भाजपा के रूप में उसी का नया अवतार तानाशाही कायम करने में लगा हुआ है।

यह चुनाव 1977 से इस मायने में अलग है कि तब उत्तर भारत से तानाशाही खारिज हुई थी लेकिन आज उत्तर भारत से तानाशाही थोपी जा रही है। उम्मीद है कि दक्षिण भारत से उसे जवाब मिलेगा।

इस चुनाव की एक और विशेषता है कि इस बार पश्चिमी तट का भारत पूर्वी तट के भारत पर हावी होना चाह रहा है। यह उम्मीद लगाई जा रही है कि एक हद तक पूर्वोत्तर भारत से तो बड़े हद तक पश्चिम बंगाल, बिहार और तेलंगाना से वह चुनौती मिलेगी और पश्चिमी तट से आ रहा कॉरपोरेट हिंदुत्व पूरे भारत में अपनी चपेट में ले नहीं पाएगा।

वास्तव में यह चुनाव हिंदुत्व और लोकतांत्रिक भारत के बीच तो है ही वह कॉरपोरेट और समाजवादी भारत के बीच भी है। राहुल गांधी के पांच न्याय और समाजवादी पार्टी का पीडीए कॉरपोरेट हिंदुत्व को चुनौती देने वाले सिद्धांत हैं। लोगों के भीतर इन सिद्धांतों के प्रति आकर्षण है इसका प्रमाण पटना की जनविश्वास रैली में तो मिला ही मुंबई के धारावी में भी मिला। वास्तव में अल्पसंख्यक सिर्फ मुस्लिम समाज ही नहीं है।

अल्पसंख्यक इस देश का दलित समाज भी है जिसके बारे में डॉ भीमराव अंबेडकर ने 'स्टेट एंड माइनारिटीज' जैसा ग्रंथ लिखा था। डा अंबेडकर लगातार इस बात को कहते रहे कि गांधी जी मुस्लिम समाज को अल्पसंख्यक मानते हैं लेकिन वास्तव में दलित समाज भी अल्पसंख्यक है।

इंडिया गठबंधन की अच्छी बात यह है कि उसने पीडीए और समाज के सभी वर्गों को समेट कर अल्पसंख्यक की उस भावना को समाप्त करने की कोशिश की है जो भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ देश

के भीतर भर रहा है।

संघ और भाजपा का दावा हिंदू समाज का भला करना है और चूंकि उनके लिहाज से भारत में हिंदू समाज बहुसंख्यक है इसलिए वे पूरे भारत का कल्याण कर रहे हैं। इसीलिए वे हिंदू राजनीति को भारतीय राजनीति बताते हैं हिंदू ज्ञान को भारतीय ज्ञान बताते हैं और हिंदू विज्ञान को ही वास्तविक विज्ञान बताते हैं।

वास्तव में भारतीय राजनीति, धर्म और समाज में विभिन्न धाराएं हैं और उन सबको मिलकर भारतीय समाज निर्मित होता है। यहां हिंदू, मुस्लिम, सिख, बौद्ध जैन तमाम धर्मों की परंपराएं हैं और लंबे समय तक पूरी दुनिया से चले संवाद के कारण बहुत सारी संस्थाएं, मूल्य और चिंतन भी दूसरे देशों के आए हैं और भारतीय परंपरा में घुल मिल गए हैं। आज न तो उन्हें निकालना संभव है और न ही निकालने से कोई लाभ है।

लेकिन संस्कृति के नाम पर होने वाली संघ की राजनीति ने भारतीय समाज का भारी अहित किया है और उससे कहीं ज्यादा हिंदू समाज का अहित किया है। हिंदू समाज अपने तमाम प्रभावों में समतामूलक समाज की ओर जा रहा था। वह प्रजा से नागरिक बन रहा था।

वह जाति से बराबरी पर आधारित समाज की ओर जा रहा था, वह संकीर्णता से व्यापकता की ओर जा रहा था, वह व्यक्ति की गरिमा स्थापित कर रहा था। लेकिन मंदिर मस्जिद के नाम पर पैदा की गई विवाद और घृणा की राजनीति ने एक ओर मुसलमानों को दोयम दर्जे का नागरिक मानने का माहौल बनाया है तो दूसरी ओर धर्म के प्रभाव को बढ़ाने के प्रयास में फिर से मनुस्मृति और वर्णव्यवस्था का गुणगान बढ़ा है। हिंदू समाज में लंबे संघर्ष के बाद पैदा हुई सामाजिक समता की भावना समाप्त हो रही है। सिर्फ राजनीतिक भागीदारी को ही समता बताया जा रहा है। आज जिधर देखो उधर हिंदू और मुस्लिम इतिहास पढ़ा और पढ़ाया जा रहा है फिर भी मुगल काल को इतिहास से निकाल दिया गया है।

मौजूदा चुनाव यह तय करेगा कि सामाजिक न्याय का जो आंदोलन उन्नीसवीं और बीसवीं सदी में दक्षिण से शुरू होकर उत्तर भारत में फैला था वह उत्तर भारत और विशेषकर महाराष्ट्र में जन्मे संघ के प्रभाव में पूरी तरह दम तोड़ देगा या किसी न किसी रूप में जिंदा रहेगा।

यह चुनाव राष्ट्र की परिभाषा में नागरिकों को समाहित करने के लिए है। यह चुनाव प्रजा बना दिए गए जन को नागरिक बनाने के लिए है। यह चुनाव देश को संविधान और स्वाधीनता संग्राम के मूल्यों का स्मरण कराने के लिए है

यह चुनाव यह भी तय करेगा कि समाजवाद का जो आंदोलन बिहार, बंगाल, झारखंड, उत्तर प्रदेश और पूर्वी भारत और दक्षिण भारत के केरल, कर्नाटक जैसे राज्यों में अपनी जड़ें जमा चुका था वह इस चुनाव में खड़ा रह पाएगा या पूरी तरह से उखाड़ कर फेंक दिया जाएगा।

यह चुनाव 1991 में शुरू हुई उदारीकरण की नीतियों की भी परीक्षा है। उदारीकरण ने मुनाफे पर धर्म और उसी पर आधारित राष्ट्रवाद का आवरण चढा कर उसे नागरिकों से ज्यादा महत्त्वपूर्ण बना दिया है।

उसके लिए देश के नागरिक और आमजन राष्ट्र नहीं हैं बल्कि राष्ट्र वह व्यक्ति है जो बात बात में 140 करोड़ लोगों को अपना परिवार बताता है, वह पुलिस है जो नागरिकों की सुरक्षा से ज्यादा उसका दमन करती है और उसके घरों पर बुलडोजर चलाती है और नफरत और उन्माद फैलाने वालों को अभय करती है।

वह सेना और अर्धसैनिक बल है जो अपने राजनीतिक आकाओं के आगे लाचार है और देश की सीमाओं की समुचित ढंग से हिफाजत कर नहीं पाती। और न ही आतंकियों से अपनी हिफाजत के लिए विमान का इंजताम कर पाती है। वे पूंजीपति हैं जिनके लिए बैंकों में जमा नागरिकों की गाढ़ी कमाई और विभिन्न समुदायों के पास संरक्षित जल जंगल जमीन लूट के लिए निर्बाध रूप से खुले हैं।

यह चुनाव राष्ट्र की परिभाषा में नागरिकों को समाहित करने के लिए है। यह चुनाव प्रजा बना दिए गए जन को नागरिक बनाने के लिए है। यह चुनाव देश को संविधान और स्वाधीनता संग्राम के मूल्यों का स्मरण कराने के लिए है। देश के कदम डगमगा रहे हैं कि क्या वह अपने पुरखों के बताए रास्ते पर चल पाएगा या प्रतिशोध और नफरत की अग्नि में दहकता रहेगा।

इस बार चूके तो...

फोटो स्रोत : गूगल

अरविन्द मोहन
लेखक, वरिष्ठ पत्रकार

चुनाव घोषणा के पहले दल बदल और टिकट काटना-जुड़ना जैसी सामान्य राजनैतिक हलचलों में भी काफी कुछ जानने समझने वाला रहा करता है। शासन में बैठे दल की ऐसी गतिविधियां अन्य दलों से ज्यादा ही ध्यान खींचती हैं। और जब एक एक सीट के लिए हर तरह की अनैतिक काम करने से परहेज न करने वाली भाजपा राज्य सरकारें बदलवाने से लेकर टिकट बांटने में अपने कथित सहयोगियों को लीलने और लगभग हर राज्य में अपने लिए 'अप्रकट और अघोषित' सहयोगी तय करने में जुटी हो तो बहुत कुछ जानने का मन होता है।

साथ ही यह भी कहना होगा कि इस अभियान में ही मोदी-अमित शाह की जोड़ी के मन के विपरीत काफी कुछ हो रहा है जो

कभी जाहिर होता है, कभी छुपा लिया जा रहा है। मुख्य धारा की मीडिया आम तौर पर भाजपा को नुकसान पहुंचा सकने वाली खबरों को दबाने में ही लगी है, लेकिन ऐसी खबरें छुपती नहीं हैं।

एक चुनाव आयुक्त के इस्तीफे, चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव की खुली धांधली पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला, अदालती आदेश से ही चुनावी बांड के विवरण सामने आने, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के कानून में बदलाव से लेकर चुनावी बांड बाजार में भाजपा और उसके दबाव में भारतीय स्टेट बैंक और एटार्नी जनरल के बेइज्जत होने को भी सत्ता की भूख के खेल से अलग नहीं देखना चाहिए। इन सबमें न सिर्फ अनैतिक काम हुआ है, बल्कि ये सब गैर कानूनी भी हैं। ईडी और सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग से लेकर विपक्षी नेताओं को इनके माध्यम से परेशान करना, विरोधी सरकारें गिरवाना, विरोधी नेताओं को भाजपा में आने के लिए मजबूर करने के तो इतने उदाहरण हैं कि इनकी गिनती मुश्किल है।

तात्कालिक न भी हो तो आंकड़ों के खेल का लाभ घाटा चुनाव में मिलता है। भाजपा बड़ी आसानी से इस सवाल पर चुप्पी साध लेती है कि दसियों मानकों के सहारे तैयार वैश्विक मानव विकास सूचकांक में 134 वें नंबर पर होने के बावजूद भारत किस तरह दुनिया की पांचवी अर्थव्यवस्था और यूपी देश का सबसे बड़ा आर्थिक प्रदेश बन गया है, भारत विश्व गुरु बनने ही वाला है।

दस साल आंकड़े न जाहिर होने देने वाली मोदी सरकार आजकल जाने किस किस आंकड़े के सहारे अपनी उपलब्धियां गिनवाती है तो जाने कहां से छुपे आंकड़े निकालती/निकलवाती है। हाल में आया उपभोक्ता सर्वेक्षण ऐसा ही है जिसके आंकड़े पिछली बार इसी सरकार ने रोक लिए थे। सारी बड़ी सर्वे एजेंसियों को डांट-डांटकर भगा दिया गया और जेब वालों से चुनाव सर्वेक्षण कराके टीवी डिबेट कराना आम है। ब्रिटिश शासन के समय से बनी व्यवस्था के चलते भारत के आंकड़े कभी दुनिया में विश्वसनीय माने जाते थे। आज किसी सरकारी आंकड़े पर किसी का भरोसा नहीं रहा गया है।

ये ऐसी चीजें हैं जिन्हें थोड़े वक्त और परिश्रम से ठीक किया जा सकता है। शासन बदले और बहुत आदर्शवादी न होकर सामान्य ढंग से काम चलाने वाले लोग भी आएं और चाहें तो इन गलतियों को दूर किया जा सकता है और इनको दोहराने से बचा जा सकता है। चुनाव आते ही मोदी सरकार भी गैस और पेट्रोल की कीमत कुछ कम करने लगती है, गरीबों को अनाज देना जारी रखती है और किसानों का गुस्सा देखकर भी लहसन-प्याज, आटा-चावल के निर्यात-आयात को बंद खोल करती है।

यह सब सत्ता में बैठे दलों का चरित्र सा बन गया है। यह सब कहना भी मुश्किल है क्योंकि जब मोदी सरकार ने अकेले तेल के खेल में आम लोगों की जेब से बीस लाख करोड़ रुपए से ज्यादा निकाल लिए हों तो उसे

फोटो स्रोत : गूगल

छोड़ने की 'दिलेरी' दिखाने की जगह आंख मूंदे रहने वाले ही ज्यादा आएंगे।

इस चुनाव के मद्देनजर वे अब जिस खेल पर उतरे हैं वह डरावना है और जल्दी से खुद उनसे ही या उनके बाद आने वाले किसी शासक से संभालने वाला नहीं है। वे बाकी जो काम कर रहे हैं उनमें अनैतिकता का पक्ष ही नहीं है लेकिन मंदिर-मस्जिद, गांधी-गोडसे, भारत-पाकिस्तान और हिन्दू-मुसलमान का जो खेल खेल रहे हैं वह सिर्फ और सिर्फ अनैतिक है तथा सीधे-सीधे चुनावी लाभ के लिए खेला जा रहा है।

इसमें एक काल्पनिक अखंड भारत के नाम पर हिन्दू राष्ट्र का नकली सपना बेचा जा रहा है। संघ परिवार द्वारा प्रचारित इस कथित हिन्दू राष्ट्र में सिर्फ अल्पसंख्यक ही नहीं महिलाएं, दलित-आदिवासी, पिछड़े भी दोयम दर्जे के नागरिक होंगे, भोजन-पहनावा, भाषा और संस्कृति के नाम पर भी अत्याचार होगा। तीन तलाक के खिलाफ एक नकली लड़ाई (क्योंकि कोई भी उसके पक्ष में सामने नहीं आया) लड़ने, कामन सिविल कोड के नाम पर एक हल्का खिलवाड़ करने और धारा 370 की समाप्ति के नाम पर कश्मीर को बांटने और हिन्दू-बहुल विधान सभा बनाने का खेल इस पूरे नाटक का ही हिस्सा थे लेकिन उनमें कोई न कोई पुराना पेंच फंसा था।

अब जिस तरह राम मंदिर के उद्घाटन से लेकर हर मंदिर-मस्जिद को विवाद में लाना, नागरिकता कानून में सीएए को जोड़ने और जनसंख्या रजिस्टर का मामला उठाकर हिन्दू और मुसलमानों के बीच फांक बनाने का नंगा प्रयास हो रहा है उसे पाटना किसी के लिए भी आसान नहीं होगा। भाजपा का कमल इसी कीचड़ पर खिला है तो उसे और चमकाने या सत्ता बचाने के प्रयास में ही यह खेल खेला जा रहा है लेकिन बाकी पूरे मुल्क के लिए यह देर तक संकट बनकर मौजूद होगा।

इन सबके ऊपर बार बार उस संविधान पर हमला हो रहा है जिसके सहारे नरेंद्र मोदी और भाजपा ही सत्ता में नहीं आए हैं बल्कि देश के कमजोर और पिछड़े समाज ने भी आजादी के बाद से आज तक कुछ बराबरी और अधिकार पाने का सफल संघर्ष किया है। यह हमला संघ प्रमुख से लेकर सांसद अनंत हेगड़े तक जब तब करते ही हैं। इसके साथ ही ढिठाई के साथ हमारे संविधान की बुनियादी स्थापनाओं, धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद को सवालों के घेरे में लाने और बेमतलब बनाने का अभियान तो अब

फोटो स्रोत : गूगल

फोटो स्रोत : गूगल

समाप्ति पर है क्योंकि इन दोनों मूल्यों के पक्षधर भी चुप्पी लगाने लगे हैं। बंधुत्व भी हमारा बुनियादी मूल्य है यह याद दिलाना पड़ता है।

कानूनों में बदलाव करना तो मोदी जी का जुनून बन गया है जिसमें श्रम कानून, भूमि अधिग्रहण जैसे मसलों पर तो थोड़ी चर्चा होती भी है बाकी पर तो चूं भी सुनाई नहीं देता। कई राज्य निजी कानूनों में बदलाव कर चुके हैं और निशाने पर अल्पसंख्यक और महिलाएं ही हैं।

अधूरे राम मंदिर का उद्घाटन ही किस तरह चुनावी लाभ के लिए कर लिया गया वह उसकी एक झलक दिखाता है। कोरोना की महामारी में उसका शिलान्यास उत्तर प्रदेश के चुनाव के मद्देनजर हुआ। इन सबमें भगवान राम के प्रति लोगों की अपार श्रद्धा ही थी कि राम के साथ हनुमान, लक्ष्मण और सीता के भी न होने की ज्यादा चर्चा नहीं हुई। राम की मूर्ति को अश्वेत पत्थर का बनवाकर भी चुनावी राजनीति से जोड़ दिया गया जिससे दक्षिण भारत में भाजपा को पैर जमाने का अवसर मिले। लक्ष्मण, सीता और हनुमान के ऊपर किस किस को प्राथमिकता मिली यह सबने देखा।

प्रधानमंत्री के लिए हजारों करोड़ के विमान खरीदना, भाजपा के लिए हजारों करोड़ का चन्दा झटकने, नई संसद और नया सचिवालय बनाने, एक व्यक्ति, एक नारे, एक दल के प्रचार अभियान पर हजारों करोड़ खर्च करने और इन सबसे बढ़कर लोक लुभावन कार्यक्रमों पर लाखों करोड़ रुपए लूटा देना तो हमें दिखता भी नहीं है। यह सब करके भी मोदी ही सबसे बड़े त्यागी, तपस्वी, कामकर्ता, परिवार वाला, चौकीदार और न जाने क्या क्या बने हुए हैं।

यह सब बताने का मतलब है कि यह चुनाव मात्र एक नई सरकार को चुनना, पुरानी सरकार के कामकाज पर राय देना भर नहीं है बल्कि देश, संविधान बचाने वाला है। जाहिर है, अगर इस बार चूके तो बहुत पछताना पड़ेगा, बहुत कुछ भोगना पड़ेगा।

सपा ने चुनाव में पूरी ताकत झोंकी

बुलेटिन ब्यूरो

लोकसभा चुनाव 2024 की तारीखों का ऐलान होते ही समाजवादी पार्टी में चिंतन-मंथन और तेज हो गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव, चुनाव की जमीनी हकीकत जानने के लिए लगातार कार्यकर्ताओं से फीडबैक ले रहे हैं। सर्वे के जरिये पता कर रहे हैं कि किन-किन सीटों पर क्या समीकरण बन रहे हैं। अब तक फीडबैक से श्री अखिलेश यादव समेत पूरी समाजवादी पार्टी उत्साह से लबरेज है क्योंकि यूपी की सभी 80 सीटों से यही फीडबैक आ रहा है कि जनता पूरी तरह समाजवादी पार्टी के पक्ष में है।

मंथन के दौरान सामने आ रहे फीडबैक के बाद समाजवाद पार्टी और सावधान हो गई क्योंकि उसे लगता है कि समाजवादी पार्टी के पक्ष में बने माहौल से भाजपा साजिश कर सकती है। चुनाव में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग से धांधली करा सकती है इसलिए श्री अखिलेश यादव लगातार कार्यकर्ताओं को समझा रहे हैं कि चुनाव में किस तरह भाजपा की धांधली का डटकर मुकाबला करना है।

16 मार्च और 18 मार्च को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर जुटे प्रदेश के कार्यकर्ताओं के हुजूम को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा 2024 का यह लोकसभा चुनाव आने वाली पीढ़ी के भविष्य का चुनाव है। यह जनता के जीवन-मरण का चुनाव होगा। लोकतंत्र, संविधान, आरक्षण सब पर खतरा है। चुनाव जीतने के लिए भाजपा किसी भी स्तर तक जा सकती है। मतदान के समय धांधली की तैयारियां हैं। ऐसे में जन सामान्य, जो मतदाता भी हैं, उसे ही अपने अधिकार और वोट की रक्षा करनी है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर लोकतंत्र बचाने की जिम्मेदारी है।

श्री यादव ने आह्वान किया कि समाजवादी पार्टी के सभी नेता, कार्यकर्ता बूथस्तर पर पार्टी संगठन को मजबूत कर पीडीए का संदेश जन-जन तक पहुंचाएं। समाजवादी सरकार की उपलब्धियां लोगों को बताएं और समाजवादी पार्टी-गठबंधन के प्रत्याशियों

को बहुमत से जिताने में कोई कोरकसर न छोड़ें। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के प्रति जनता में भारी रोष है। विपक्षी नेताओं पर फर्जी मुकदमें लगाकर जेल भेजा जा रहा है।

श्री यादव ने दुख जताया कि 10 साल में एक लाख किसानों ने आत्महत्या की है। ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स आदि एजेंसियों के जरिए डरा-धमका कर भाजपा के पार्टी फंड में वसूली की जा रही है। इलेक्टोरल बांड के जरिए भारी पैमाने पर चुनावी चंदा लिया गया है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में नफरत फैलाने और समाज को बांटने वाली नीतियों को हवा दी जा रही है। महंगाई, भ्रष्टाचार और अत्याचार के रिकार्ड बन रहे हैं। लोगों के सब्र का बांध टूट रहा है। वैसे भी डॉ राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि जिन्दा कौमें पांच साल इंतजार नहीं करतीं। मतदाताओं को जल्द ही यह अवसर मिलने वाला है। उत्तर प्रदेश की 80 की 80 लोकसभा सीटों पर समाजवादी पार्टी और गठबंधन की जीत होने जा रही है। समाजवादी पार्टी और पीडीए मिलकर सामाजिक, आर्थिक न्याय की अन्तिम लड़ाई लड़कर भाजपा की केन्द्र सरकार को सत्ता से हटाने जा रही है।

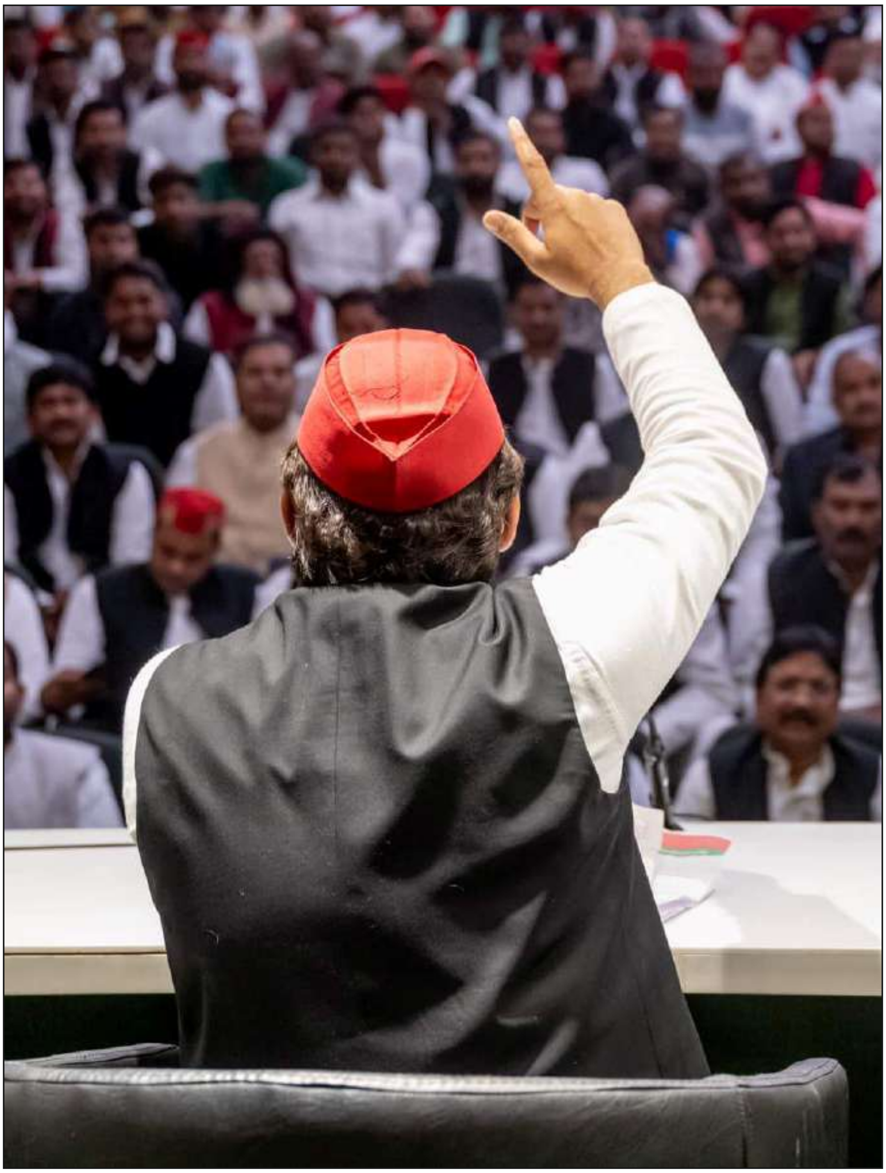

2 मार्च को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर डॉ राममनोहर लोहिया सभागार में बड़ी संख्या में आए पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई बड़ी है। भाजपा सरकार 2014 में जिस तरह से सत्ता में आई थी, उसी तरह से उत्पीड़न और अपमान से त्रस्त जनता अब 2024 के लोकसभा चुनाव में सत्ता से हटाने का काम करेगी।

इससे पहले 17 फरवरी को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर जुटे कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा प्रबंधन का षड्यंत्र करके लोकतंत्र के विरुद्ध साजिश करने में लगी रहती है। उसकी नीतियां जनविरोधी हैं और लगातार वायदा खिलाफी करके उसने जनता को अपने खिलाफ कर लिया है। पीडीए एजेंडा के सामने भाजपा का एनडीए टिक नहीं सकता।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सन् 2022 में जनता ने समाजवादी सरकार बनाने के लिए वोट दिया था। भाजपा ने सत्ता का दुरुपयोग करके जनता के साथ विश्वासघात किया। जनता भाजपा की चालाकियों से भली भांति परिचित हो गई है। अब जनता 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की सरकार दुबारा नहीं बनने देगी।

कवर स्टोरी

चुनाव में सपा के लिए दिन-रात एक कर रहे युवा

बुलेटिन ब्यूरो

लोकसभा चुनाव 2024 में समाजवादी नौजवानों ने दिनरात एक कर समाजवादी पार्टी को यूपी में 80 सीटों पर जिताने का संकल्प लिया है। नौजवानों ने तय किया है कि वे बूथों पर डटकर भाजपा की धांधली रोकेंगे।

1 मार्च को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर समाजवादी युवजन सभा, लोहिया वाहिनी, समाजवादी छात्रसभा और यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय एवं प्रदेश के अध्यक्षों के अलावा वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक में यह संकल्प लिया गया। इस बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव भी खासतौर पर मौजूद रहे और उन्होंने नौजवानों को संबोधित भी किया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का एजेंडा सामाजिक तनाव पैदा करना और अन्याय, अनाचार की राजनीति करना है। भाजपा के कारण ही आर्थिक संकट पैदा हुआ है। भाजपा लोकतांत्रिक मान्यताओं और राजनीतिक शुचिता पर हमला करती है। किसान, नौजवान सहित समाज का हर वर्ग भाजपा की कुनीतियों का शिकार है, दुःखी है इसीलिए वह इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराएगा और इंडिया-पीडीए को विजयी बनाएगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि नौजवानों पर उन्हें पूरा भरोसा है कि सभी अपनी पूरी जिम्मेदारी से काम करेंगे। उन्होंने नौजवानों का आह्वान किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए वे चुनाव में दिनरात एक करेंगे। युवा

संगठनों के पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि लोकसभा 2024 के चुनाव में समाजवादी पार्टी श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में भाजपा को 80 सीटों पर हराकर पीडीए को सभी 80 सीटों पर विजयी बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

बैठक में मौजूद नौजवानों ने श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व पर अपनी आस्था व्यक्त करते हुए भरोसा जताया कि समाजवादी नीतियों से ही नौजवानों के रोटी-रोजगार का रास्ता प्रशस्त होगा और राष्ट्र निर्माण में नौजवानों की भूमिका सुनिश्चित होगी।

युवाओं से मुखातिब होते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के बनाए संविधान पर खतरा है। लोकतांत्रिक प्रणाली संकट के दौर में है। संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है। सत्ता का दुरुपयोग करने में भाजपा को कोई लाज नहीं आती है।

भाजपा को समाज के लिए खतरा बताते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उसकी सरकार में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। सीबीआई, ईडी, भाजपा के काले कारनामों की जांच क्यों नहीं कर रही है? भाजपा सिर्फ समाजवादी नेताओं के खिलाफ झूठे मुकदमे करती है लेकिन समाजवादी भाजपा के जुल्म से डरने वाले नहीं है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों को धोखा दिया। न उनकी फसल को लाभप्रद दाम की गारंटी मिली, न ही किसान की आय दोगुनी हुई। किसान के उपयोग की खाद, पानी, बिजली सब महंगी है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा कुछ भी कर ले, समाजवादी आंदोलन को कमजोर नहीं कर सकती है। जनता समाजवादी पार्टी के साथ है। समाजवादी पार्टी देश और लोकतंत्र को बचाने के लिए भी संकल्पित है। इस बार लोकसभा चुनाव संविधान मंथन का होगा। समाजवादी पार्टी संविधान रक्षक की भूमिका में है। बूथ स्तर तक संघर्ष होगा। समाजवादी पार्टी देश और लोकतंत्र बचाने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

बैठक में समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद फहद, प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द गिरि, समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव, प्रदेश अध्यक्ष डॉ राम करन निर्मल, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह, प्रदेश अध्यक्ष अनीस राजा, समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ इमरान, प्रदेश अध्यक्ष विनीत कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी का बढ़ता कुनबा

बुलेटिन ब्यूरो

सामाजिक न्याय की लड़ाई को धार दे रहे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के स्पष्ट विजन, लोकतंत्र-संविधान बचाने की मुहिम से प्रभावित होकर तमाम राजनीतिक दलों के नेता-कार्यकर्ता समाजवादी पार्टी परिवार में शामिल हो रहे हैं। समाजवादी पार्टी में इन नेताओं-कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का बढ़ता कुनबा, भाजपा की हार का स्पष्ट संदेश है।

28 फरवरी को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में आजमगढ़ जिले के पूर्व विधायक और बसपा के वरिष्ठ नेता शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली हजारों समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि एक मजबूत नेता हमारे साथ आया है। इसका संदेश दूर तक जाएगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस पार्टी में आपको अपने घर जैसा लगेगा।

श्री शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली ने सदस्यता लेने के बाद कहा कि हमारे सामने दो विकल्प थे। एक दल जो देश बांटना और तोड़ना चाहता है और दूसरा दल जो देश को जोड़ना और मजबूत बनाना चाहता है। इसलिए उन्होंने दिल से सपा की सदस्यता ली। वह पीडीए को ताकत देंगे और ताउम्र श्री अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के साथ रहेंगे। श्री गुड्डू जमाली के साथ बसपा के कई प्रमुख नेताओं ने भी सपा की सदस्यता ली।

4 मार्च को समाजवादी पार्टी की नीतियों एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में आस्था जताते हुए बसपा, कांग्रेस और भाजपा को छोड़कर सैकड़ों नेता अपने साथियों के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने सपा में शामिल होने वाले सभी नेताओं का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि संघर्ष में उनका साथ समाजवादी पार्टी को मजबूती देगा। सपा में शामिल होने

वाले नेताओं में भाजपा छोड़कर श्री शिव कुमार बेरिया पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रमुख रूप से शामिल थे। इनके अलावा रूदौली, जिला बाराबंकी के पूर्व विधायक श्री रूश्दी मियां ने बसपा छोड़कर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

श्री अतहर खान भुटटो नेता रसूलाबाद, राम मिलन भारती बसपा मंडल कोआर्डिनेटर, कांग्रेस से डॉ वीपी शर्मा और बसपा छोड़कर अभिनंदन शर्मा सपा में शामिल हुए। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा मेरठ के महामंत्री सुधीर कांत शर्मा अपने तमाम साथियों के साथ समाजवादी पार्टी के सदस्य बन गए। श्री अंकित शर्मा पूर्व प्रत्याशी बड़ोत विधानसभा ने भाजपा छोड़कर सपा की सदस्यता ग्रहण की। राजा राजीव कुमार सिंह पूर्व मंत्री के पुत्र श्री राजा रितेश कुमार सिंह भी समाजवादी पार्टी के कुनबे के सदस्य बन गए।

16 मार्च को रक्षा मंत्रालय के सेवानिवृत्त निदेशक आदर्श कुमार समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। मेरठ के हंसापुर गांव निवासी श्री आदर्श कुमार केन्द्र सरकार में वाणिज्य मंत्रालय में भी रह चुके हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय लोक दल के कई प्रमुख नेताओं और बहुजन समाज पार्टी के पूर्व विधायक ने भी समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। रालोद के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व मंत्री/पूर्व विधायक अकीलुर्रहमान खां, बसपा के 4 बार के विधायक रहे हाजी रिज़वान, बागपत के रालोद की महिला सभा की जिलाध्यक्ष व तीन बार पार्षद रहीं श्रीमती रेनू तोमर भी सपा में शामिल हो गईं।

20 मार्च को समाजवादी पार्टी की नीतियों व नेतृत्व पर आस्था जताते हुए जनता दल (एस) का राष्ट्रीय स्तर पर समाजवादी पार्टी में विलय हो गया। साथ ही भाजपा और बसपा के भी कई बड़े नेता व उनके सैकड़ों समर्थकों ने भी सपा की सदस्यता ग्रहण की। जनता दल (सेक्यूलर) के अध्यक्ष श्री एचडी देवगौड़ा के भाजपा से हाथ मिलाने के फैसले से असंतुष्ट जनता दल (एस) के राजस्थान, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, केरल, के प्रतिनिधियों ने समाजवादी पार्टी में विलय का निर्णय लिया। इसके अलावा गोण्डा के कटरा बाजार के पूर्व प्रत्याशी रहे श्री विनोद शुक्ला ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के सामने भाजपा छोड़कर सैकड़ों साथियों के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उनके साथ बड़ी संख्या में ब्राह्मण एवं कई बसपा नेता भी समाजवादी पार्टी के सदस्य बने हैं। कन्नौज के श्री दीपू चौहान के साथ भी बड़ी संख्या में भाजपा और बसपा के कई जमीनी कार्यकर्ता समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए।

वहीं, भारतीय समाज दल तथा शोषित समाज अधिकार पार्टी ने 20 मार्च को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मुलाकात कर लोकसभा चुनाव में बिना शर्त समाजवादी पार्टी को समर्थन देने का ऐलान किया।

पीडीए सरकार बनाने का संकल्प

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के मुख्यालय पर समाजवादी बाबा साहेब अम्बेडकर वाहिनी, समाजवादी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ, समाजवादी अल्पसंख्यक सभा, समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय, प्रदेश एवं जिलों के पदाधिकारियों ने संयुक्त बैठक में एक स्वर से श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में भाजपा को 80 लोकसभा सीटों पर हराकरकेन्द्र में पीडीए की सरकार बनाने का रास्ता प्रशस्त करने का संकल्प लिया।

29 फरवरी को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर हुई बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव मुख्य अतिथि के तौर पर शरीक हुए। उनकी मौजूदगी में हुई इस बैठक में बूथ स्तर तक संगठनात्मक स्थिति की रिपोर्ट पेश की गई। प्रकोष्ठों के प्रतिनिधियों से मुखातिब होते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि यह समय लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए संघर्ष करने का है। भाजपा की रणनीति विपक्षी नेताओं को बदनाम और अपमानित करने की है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित है कि पीडीए ही एनडीए को हराएगा तभी सामाजिक न्याय स्थापित हो सकता है। हमारी एकजुटता ही भाजपा को केंद्र से बेदखल करेगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा आरक्षण की व्यवस्था को तहस नहस करने पर तुली है। इंडिया गठबन्धन को मजबूत करने की जिम्मेदारी समाजवादी पार्टी पर है। संवैधानिक संस्थाओं को निष्पक्ष और सशक्त बनाना जरूरी है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं से लोकसभा चुनाव में लोकतंत्र को बचाने के लिए जुट जाने का आह्वान किया।

बैठक में पूर्व मंत्री रामगोविन्द चौधरी, राजेंद्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, विधायक राजेन्द्र कुमार के अलावा समाजवादी बाबा साहेब अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती, प्रदेश अध्यक्ष संतोष जाटव, समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना इकबाल कादरी, प्रदेश अध्यक्ष मो शकील नदवी, समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राजपाल कश्यप, समाजवादी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल भारती तथा प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रशेखर चौधरी आदि मौजूद रहे।

सपा के लिए माहौल बनाने में जुटे शिक्षक और व्यापारी

बुलेटिन ब्यूरो

लोकसभा चुनाव 2024 में समाजवादी पार्टी की 80 सीटों पर जीत सुनिश्चित करने के लिए शिक्षक व व्यापारी माहौल बनाने में जुटे हैं। शिक्षकों व व्यापारियों ने चुनाव में इंडिया गठबंधन को जिताने का संकल्प लिया है।

10 मार्च को शिक्षक सभा के राष्ट्रीय व प्रदेश पदाधिकारियों ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के साथ हुई एक बैठक में तय किया कि वे भाजपा के नफरत और भेदभाव के प्रोपेगेंडा का मुकाबला करेंगे और लोगों को जागरूक करते हुए धांधली को रोकने का काम करेंगे।

वहीं, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने भरोसा दिलाया कि समाजवादी पार्टी शिक्षकों के अधिकार और सम्मान की लड़ाई लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक की अध्यक्षता समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति प्रो.बी.पाण्डेय ने की। बैठक में श्री अखिलेश यादव ने सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में शिक्षा का स्तर गिरा है। भाजपा सरकार की शिक्षा नीति गरीबों को शिक्षा से दूर करने की है।

19 मार्च को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ पर हुई समाजवादी व्यापार सभा की बैठक में व्यापारियों ने भी एक स्वर से तय किया कि वे बूथस्तर तक पीडीए की विचारधारा पर आधारित इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को जिताने में जुटेंगे। व्यापारियों ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान को बचाने तथा देश में पुनः सकारात्मक माहौल स्थापित करने के लिए व्यापारी समाज प्रतिबद्ध है।

श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी व्यापार सभा के मुख्य प्रस्ताव और समाजवादी सरकार में हुए महत्वपूर्ण कार्यों की विवरण पुस्तिका का विमोचन किया तथा सदस्यता प्रमाण पत्र भी दिए।

बैठक में श्री यादव ने वीर बलिदानी दानदाता भामाशाह के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। बैठक की अध्यक्षता व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने की।

चंदा लेकर धंधा देने का खेल

प्रेम कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

इलेक्टोरल बॉन्ड असंवैधानिक करार दिया जा चुका है। फिर भी इलेक्टोरल बॉन्ड के समर्थन में सत्ताधारी दल खड़ा है। सवाल उठाए जा रहे हैं कि इलेक्टोरल बॉन्ड के बगैर चुनाव में कालाधन का उपयोग बढ़ जाएगा। लेकिन, इस सवाल की आड़ में असली सवाल को गुम किया जा रहा है कि इसी कालेधन का डर दिखाकर भ्रष्टाचार को शिष्टाचार में क्यों बदला गया? क्यों चंदे के बदले धंधा का प्रचलन बेरोकटोक चलता रहा? न सिर्फ चंदे के बदले धंधा बल्कि चंदा लेने के लिए सीबीआई, ईडी, आईटी तक का इस्तेमाल 'हफ्ता वसूली गैंग' के रूप में किए जाने के संकेत मिल रहे हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड ने सत्ता और विपक्ष के बीच शक्ति संतुलन को बुरी तरह से प्रभावित किया है। चुनाव में गैर बराबरी

पैदा हो गयी है। यह बेहद चिंता की बात है।

इलेक्टोरल बॉन्ड ने बीजेपी को अमीर बनाया

इसमें संदेह नहीं कि इलेक्टॉरल बॉन्ड ने बीजेपी को बाकी दलों के मुकाबले सबसे अमीर बना दिया। विपक्षी दल गरीब होते चले गये। उनके पास चुनाव लड़ने के लिए पैसों के लाले पड़ गये। इलेक्टोरल बॉन्ड 2018 से प्रचलन में आया जब सरकार ने इसे अधिसूचित किया।

बीजेपी	**2390.91 करोड़**
कांग्रेस	**529 करोड़**
वाईएसआरसीपी	**165.8 करोड़**
बीआरएस	**192.6 करोड़**
बीजेडी	**235 करोड़**

2019 से पहले विभिन्न दलों को इलेक्टॉरल बॉन्ड से मिले चंदों पर गौर करना भी जरूरी है। यह आंकड़ा चुनाव आयोग ने अज्ञात कारणों से छिपाया। सुप्रीम कोर्ट में जब विशेष याचिका डाली गयी तो सुनवाई से पहले ही चुनाव आयोग ने इस आंकड़े को जारी कर दिया। इसके अनुसार 2019 से पहले जो चंदे पांच विभिन्न दलों को दिए उसका विवरण इस प्रकार है:

क्यों छिपाये जाते रहे आंकड़े?

इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़े मामले में सबसे चिंताजनक पहलू यह सामने आया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद एसबीआई ने चुनाव आयोग को आंकड़े देने में संकोच दिखाया। तय की गयी तारीख से ठीक पहले एसबीआई ने सुप्रीम कोर्ट के सामने आंकड़े देने के लिए अतिरिक्त 111 दिन का समय मांगा। इसका मतलब साफ था कि आम चुनाव होने तक एसबीआई आंकड़े देना नहीं चाह रहा था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने जब सख्ती दिखलाई तो आंकड़े चुनाव आयोग को दिए गये लेकिन उसका गुप्त कोड एसबीआई ने चुनाव आयोग को नहीं दिया। इस वजह से यह पता नहीं चल सका कि इलेक्टोरल बॉन्ड से किसने किस दल को कितना चंदा दिया है। इसका मतलब साफ है कि अब भी चंदा देने वालों के नाम सार्वजनिक करने से बचा जा रहा है।

एसबीआई डाटा देने में आनाकानी क्यों करता रहा? यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट की अवमानना भी उसने की। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना पर सख्ती का संकेत देकर छोड़ दिया कोई सख्ती नहीं दिखलाई, लेकिन यह बात साफ हो रही है कि एसबीआई जो कुछ कर रही है उसमें सरकार की मंशा रही है। आखिर सरकार क्यों नहीं चंदा देने वालों के नाम सार्वजनिक करना चाहती है?

जांच एजेंसियों के डर से खरीदे गये इलेक्टोरल बॉन्ड

न्यूज़ लान्ड्री की रिपोर्ट के मुताबिक अब तक 18 कंपनियों के नाम चुनाव आयोग की ओर से जारी लिस्ट में आए हैं जिन्होंने केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई के बाद इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे। कुल 2010.5 करोड़ रुपये के बॉन्ड इन कंपनियों ने खरीदे ताकि एजेंसियों की कार्रवाई से खुद को बचाया जा सके।

इंडिया गठबंधन की ओर से मुंबई के शिवाजी पार्क में हुई महारैली में कई विपक्षी नेताओं ने इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए 'चंदा लो, धंधा दो' का आरोप बीजेपी सरकार पर लगाया। ये आरोप गंभीर हैं। बड़ी जांच की

फोटो स्रोत : गूगल

चुनावी चंदे की मार अबकी भाजपा की हार

बुलेटिन ब्यूरो

इलेक्टोरल बॉण्ड ने सत्ताधारी भाजपा की पोल खोल दी है और यह सामने आ चुका है कि भाजपा ने बॉण्ड के जरिये अकूत धन हासिल किया। इस मामले में रोजाना नए खुलासे से पूरी भाजपा कटघरे में खड़ी नजर आ रही है। इस मामले में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इलेक्टोरल बॉण्ड काले धन को सफ़ेद करने की भाजपाई गारंटी है। इलेक्टोरल बॉण्ड 'Black Money Tourism' मतलब पैसा बाहर ले जाकर वापस लाने के शुद्धीकरण की भाजपाई गारंटी है। भाजपा अब सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग विपक्षी नेताओं को डराने, धमकाने और बदनाम करने के लिए कर रही है और इनके माध्यम से पूंजीघरानों से वसूली भी कर रही है।

15 मार्च को पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि तमाम कंपनियों से चंदा के नाम पर जो वसूली की गई है वह न होती तो कंपनी के तमाम कर्मचारियों की तनख्वाह बढ़ती। उन्हें बोनस मिलता, नई नौकरियां मिलतीं लेकिन भाजपा तो पीडीए का हक मारने के लिए आरक्षण खत्म कर रही है। प्राइवेट वालों का सारा प्रा◌ॅफिट भाजपा इलेक्टोरल बॉण्ड के माध्यम से हजम करने जा रही है।

श्री यादव ने कहा कि वैक्सीन के लिए कंपनी से 500 करोड़ रुपये लिए गए इसलिए जबर्दस्ती हमें आपको वैक्सीन लगवाई जा रही थी। चुनाव से पहले ये बातें आई हैं तो जनता इस बार भारतीय जनता पार्टी को उखाड़ फेंकेगी।

श्री यादव ने कहा कि इलेक्टोरल बॉण्ड के चंदे के जरिए भाजपा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का कार्य कर रही है। विभाजनकारी विचारों को प्रसारित करने में इस्तेमाल कर रही है। संविधान और लोकतंत्र को कमजोर करने की सुनियोजित साजिश रची जा रही है। सरकारी संस्थाओं की स्वतंत्रता को नष्ट किया जा रहा है। अब जनता भाजपा को केन्द्र की सत्ता से हटाकर संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करेगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इलेक्ट्रोरल बॉण्ड जनता के शोषण की, युवाओं के भविष्य को अंधकार में ले जाने, आम जनता के दुःख दर्द और दमन की 90 प्रतिशत जनसंख्या वाले पीडीए के प्रताड़ना की भाजपा की गारंटी है। उन्होंने कहा है कि "चुनावी चंदे की मार, अबकी भाजपा की हार।"

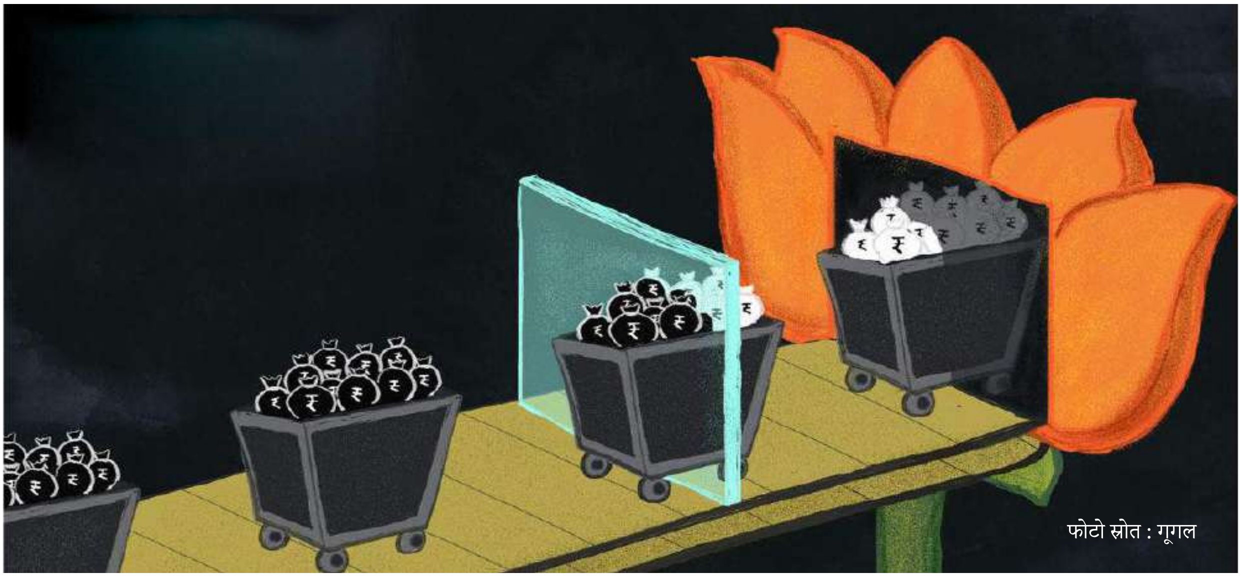
फोटो स्रोत : गूगल

मांग बनती है। सीबीआई, ईडी और आईटी के छापे या समन से पहले या बाद में इलेक्टोरल बॉन्ड से चंदा मिलना और कार्रवाई में ढील देने का मामला भयादोहन का मामला है। जिन सरकारी एजेंसियों पर भ्रष्टाचार रोकने की जिम्मेदारी है उन पर अगर भ्रष्टाचार से समझौता करने और सत्ताधारी दल के लिए इलेक्टोरल बॉन्ड की खरीदी का टूल बनने के आरोप लग रहे हैं तो यह पूरी सरकारी मशीनरी के ढह जाने का मामला है। यह मामला ऐसा है जिसमें ईडी को ईडी पर, सीबीआई को सीबीआई पर छापे मारने की जरूरत दिखती है।

मामले की गंभीरता घटाने की कोशिश

गृह मंत्री अमित शाह ने इलेक्टॉरल बॉन्ड को लेकर जो टिप्पणी की है और कहा है कि किस पार्टी ने इलेक्टोरल बॉन्ड से चंदा नहीं लिया, उसमें मसले को उलझाने की नीयत अधिक दिखती है। वे सवाल उठाते हैं कि जब 52 सांसदों वाली पार्टी को इलेक्टोरल बॉन्ड से चंदा मिल सकता है, डेढ़ दर्जन सीटों वाली टीएमसी को चंदा मिल सकता है तो 303 सांसदों वाली पार्टी को सबसे ज्यादा चंदा मिला तो सवाल क्यों उठ रहे हैं? सच क्या है? सच यह है कि सवाल इसलिए नहीं उठ रहे हैं कि इलेक्टोरल बॉन्ड से चंदा लिया गया। सवाल इसलिए उठ रहे हैं कि इलेक्टोरल बॉन्ड से चंदा लेने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कारोबारियों को डराने के लिए किया गया। इंडिया गठबंधन ने चार प्रमुख सवाल इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर उठाए हैं- चंदा के बदले धंधा, फिरौती के रूप में चंदा, टेंडर देने के बदले चंदा, डराकर चंदा।

गुप्त कोड सामने आने के बाद यह बात भी पता चल जाएगी कि किस कंपनी ने किस पार्टी को कितना चंदा इलेक्टोरल बॉन्ड से दिया। वैसी स्थिति में परिस्थितिजन्य साक्ष्य इस बात की तस्दीक करेंगे कि इलेक्टोरल ब्रॉन्ड से जो कुछ भी लिया गया वह चंदा था या फिर फिरौती, रंगदारी, अवैध वसूली या धंधा लेने के एवज में चंदा। मगर, इस मामले ने सत्ताधारी दल बीजेपी की नैतिकता की पोल खोलकर रख दी है। भ्रष्टाचार का एक सिस्टम गढ़ने में बीजेपी लगी रही, इसका खुलासा हुआ है।

नयी सरकार से रहेगी उम्मीद

इलेक्टोरल बॉन्ड के दुरुपयोग ने विपक्ष के दलों को कंगाल बना दिया है वहीं सत्ताधारी बीजेपी अमीर होती चली गयी। हालांकि यह सब इलेक्टोरल बॉन्ड से हुए लेन-देन के हिसाब से है। शक यह भी है कि इससे बाहर भी लेन-देन हुए होंगे। भयादोहन या फिर लाभ देकर चंदा लेने का मामला सिर्फ चंदा तक सीमित नहीं होता। किसी को जमीन दी गयी, किसी को टेंडर दिए गये तो किसी को कोई और लाभ।

ऐसे में बदले में सिर्फ इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए ही पैसे क्यों लिए जाएंगे? किन्ही और तरीकों से भी रकम ली गयी होगी, ऐसा निश्चित लगता है। इसका पता कैसे चलेगा? जाहिर है कि उच्चस्तरीय जांच से ही इसका पता चल सकता है। क्या इलेक्टोरल बॉन्ड की जांच होगी? आम चुनाव के बाद ही इसका जवाब मिल सकता है जिसका एलान हो चुका है। 19 अप्रैल से लेकर 1 जून तक जनता वोट करेगी। 4 जून को नतीजे और उसके बाद बनने वाली नयी सरकार से निश्चित रूप से पूरे मामले की जांच की अपेक्षा रहेगी।

फोटो स्रोत : गूगल

लगातार पर्चा लीक

सरकार बेफिक्र

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में प्रतियोगी परीक्षाओं के लगातार पर्चा लीक होने से प्रदेश का युवा खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। परीक्षाओं के लिए जिलों में पहुंचने की मारामारी और तमाम तकलीफ उठाने के बाद पर्चा लीक होने से उत्तर प्रदेश का नौजवान मायूस भी है और स्वभाविक रूप से आक्रोशित भी।

पर्चा लीक होने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने युवाओं के भविष्य को बर्बाद किया है। भर्ती परीक्षाओं का पेपर लीक होना भाजपा सरकार की नाकामी है। भाजपा सरकार ने लाखों परिवारों के सपनों को तोड़ा है। उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती परीक्षा के साथ-साथ भाजपा सरकार में हुई ज्यादातर भर्तियों के

पेपर लीक हुए हैं। यह लीक का खेल भाजपा सरकार जानबूझकर चला रही है। इनकी नीयत गरीब, नौजवानों को नौकरी देने की नहीं है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार का परीक्षाओं में पेपर लीक होने का खेल बंद होना चाहिए। सोची समझी रणनीति के तहत भाजपा यह सब खेल खेलती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में नौजवानों को नौकरी नहीं मिल सकती है। पेपर लीक को लेकर पूरे प्रदेश में युवाओं और प्रतियोगी छात्रों में भारी आक्रोश है। नौजवान लोकसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखाएगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार नौजवानों को नौकरी नहीं देना चाहती। दिखावा करने के लिए भर्ती का विज्ञापन निकालती है। छात्र, नौजवान अपने परिवार की गाढ़ी कमाई लगाकर फार्म भरता है। परीक्षा की तैयारी करता है। तमाम तरह की कठिनाइयों के बीच परीक्षा देने जाता है। परीक्षा केंद्र पर पहुंचकर पता चलता है पेपर लीक हो गया। सरकार जानबूझकर पेपर लीक कराती है। पेपर छपाई से लेकर वितरण और परीक्षा कराने तक में सरकार के लोग शामिल रहते हैं तो पेपर लीक कैसे हो जाता है?

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अब तक कोई प्रतियोगी परीक्षा साफ और पारदर्शी तरीके से नहीं करा पाई है। जब 2017 में पहला पेपर लीक हुआ था तभी अगर सख्त कार्रवाई हुई होती तो दुबारा पेपर लीक नहीं होता।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में पुलिस भर्ती परीक्षा का पर्चा लीक होने के बाद सरकार की केवल लीपापोती ने कई तरह के सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस भर्ती परीक्षा के 60 हजार पदों के लिए करीब 48 लाख युवाओं ने आवेदन किए थे। पर्चा लीक के बाद परीक्षा रद्द होने से अब उनका भविष्य अंधकारमय हो गया है।

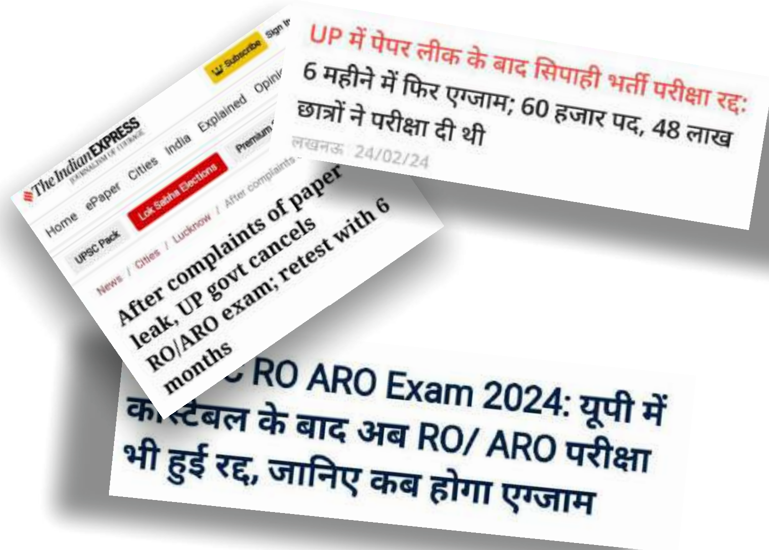

यह कोई पहली परीक्षा नहीं है जिसका पर्चा लीक हुआ है, भाजपा सरकार में पर्चा लीक होने की लंबी फेहरिस्त है। परीक्षा रद्द करने और चंद लोगों की गिरफ्तारी की खानापूर्ति करने के सिवाय भाजपा सरकार ने इस अहम मसले पर कभी भी कोई ठोस कदम नहीं उठाए हैं जिससे कि युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो सके।

सूबे की भाजपा सरकार में प्रतियोगी परीक्षाओं के पर्चा लीक होने की शुरुआत 2017 से ही हो गई थी। 2017 में दरोगा भर्ती, ट्यूबवेल ऑपरेटर भर्ती, नागरिक आरक्षी भर्ती, ग्राम विकास अधिकारी भर्ती, यूपीटीईटी, लेखपाल भर्ती, आरओ-एआरओ भर्ती और हाल में हुई पुलिस भर्ती का पर्चा लीक होने से पूरी भाजपा सरकार कटघरे में खड़ी नजर आ रही है।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की मुश्किलों के बाद परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने की जद्दोजहद के दौरान युवाओं ने तमाम तरीके की परेशानियों, दिक्कतों का सामना किया। परीक्षा के लिए एक जिले से दूसरे जिलों तक पहुंचने में सवारी की दिक्कतों के बाद परीक्षा देने वाले युवा तब मायूस हो जाते हैं जब पर्चा लीक होने के बाद परीक्षा रद्द कर दी जाती है। लगातार पर्चा लीक होना यूपी की नियति बन गई है।

पर्चा लीक से निराश युवाओं की दिक्कतों को महसूस करते हुए समाजवादी पार्टी ने हमेशा आवाज बुलंद की मगर सरकार मौन ही रही। हाल ही में जब पुलिस भर्ती की परीक्षा रद्द हुई तो समाजवादी पार्टी छात्रसभा ने 22 फरवरी को प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत वाराणसी, कानपुर नगर, कानपुर देहात, प्रयागराज, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, आजमगढ़, बलिया, गाज़ियाबाद, हरदोई, देवरिया, गोण्डा, सिद्धार्थनगर, अम्बेडकर नगर, मैनपुरी और सोनभद्र आदि जनपदों में प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजे।

हालात

किसानों की फसल चौपट
सरकार मौन

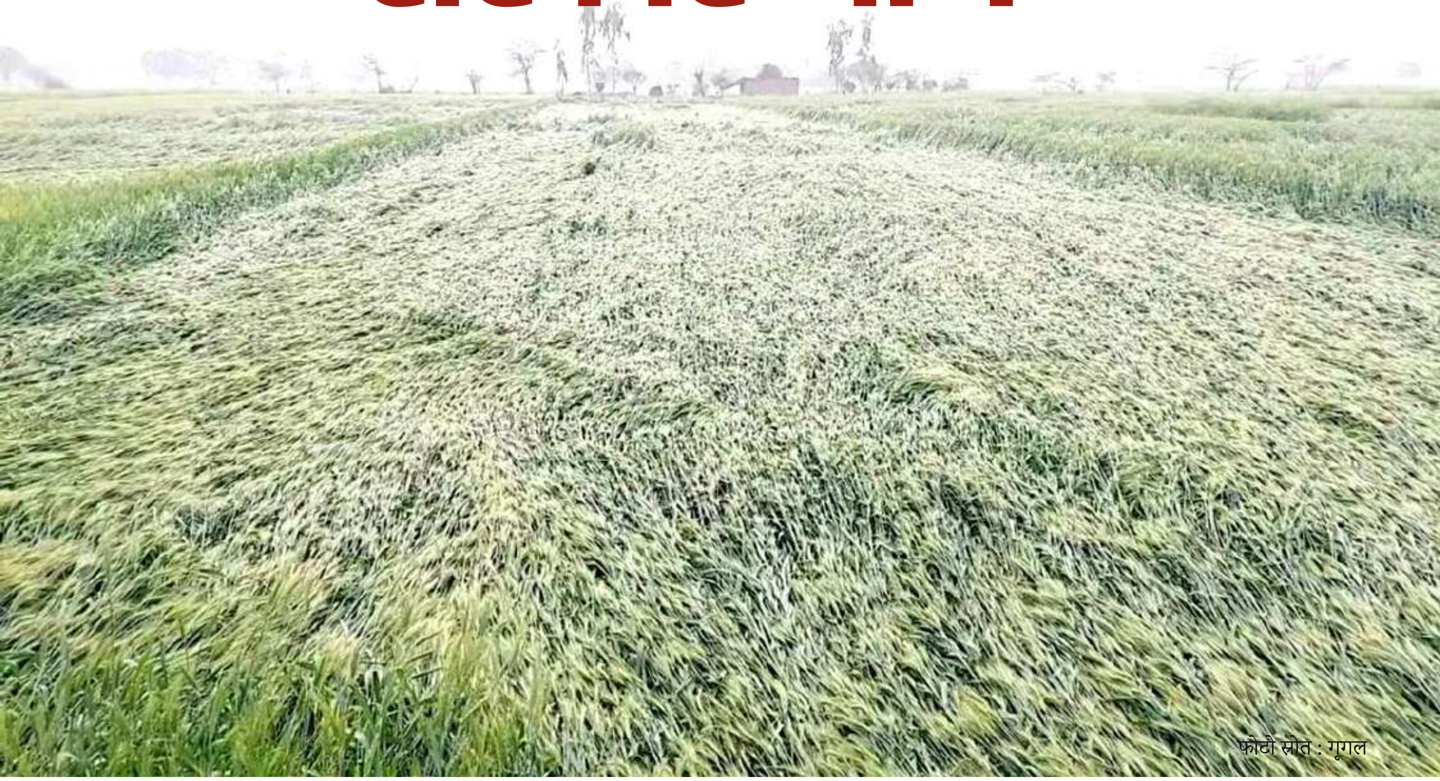

फोटो स्रोत : गूगल

बुलेटिन ब्यूरो

बेमौसम बारिश की मार से उत्तर प्रदेश के किसानों की फसल चौपट हो गई है लेकिन उनकी सुध लेने की जगह सरकार चुनावी गुणा-गणित में मशगूल है। सरकार को किसानों की बिल्कुल भी फिक्र नहीं है। मौसम की मार से परेशान किसान बेहाल हैं और उनकी समझ में नहीं आ रहा है कि आखिर उनका जीवकोपार्जन कैसे होगा। मौसम के बाद उनपर सरकार के मौन की मार भी पड़ रही है।

किसानों के दु:ख-सु:ख से जुड़ी समाजवादी पार्टी लगातार किसानों के मसले को उठा रही है मगर उसकी आवाज भी सरकार के कानों तक नहीं पहुंच रही है जो यह बताने के लिए काफी है कि उसका किसानों की दुश्वारियों से कोई सरोकार नहीं है।

बीते दिनों बेमौसम बारिश से यूपी में कई जगहों पर हुई ओलावृष्टि से गेहूं, चना, सरसों की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। टमाटर, आलू, शिमला मिर्च, बींस, गोभी, बैगन की फसल भी प्रभावित हुई। आम में

बौर आने शुरू हो गए थे लेकिन बारिश में ये न केवल गिर गए बल्कि उसमें खर्रा रोग और भुनगे भी लग गए। नतीजा यह हुआ कि आम बागान के किसान तबाही के कगार पर पहुंच गए हैं।

फसल चौपट होने से परेशान किसानों को समाजवादी सरकार की याद आ रही है जिसने किसान को मुफ्त सिंचाई के साथ सस्ती बिजली दी थी। किसानों की मदद और खेती की समृद्धि के लिए बजट का 75 प्रतिशत धनराशि गांवों के लिए रखा था। किसानों के कर्ज माफ किए थे।

दुर्भाग्य यह रहा कि जब भाजपा सत्ता में आई तो उसने समाजवादी सरकार की सभी किसान हितैषी योजनाओं को ठंडे बस्ते में डाल दिया और किसानों के उत्पीड़न के कानून बनाने शुरू कर दिए है। यही वजह है कि किसान आक्रोशित और आंदोलित हैं।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने परेशान किसानों के साथ मजबूती से खड़े होकर उनकी आवाज बुलंद की है। उन्होंने कहा कि भाजपा को किसानों के सुख-दुःख से कोई मतलब नहीं है। भाजपा सिर्फ सत्ता पर काबिज होने के लिए षड्यंत्र और साजिशें करती है। बेमौसम बरसात से प्रदेश का किसान त्राहि-त्राहि कर रहा है पर मुख्यमंत्री और उनकी सरकार चुनावी हेराफेरी और चुनावी गणित बैठाने में दिल्ली-लखनऊ एक किए हुए है।

उन्होंने कहा कि सच तो यह है कि भाजपा सरकार में किसान और खेती दोनों उपेक्षित हैं। भाजपा ने 2022 के विधान सभा चुनाव में अपने संकल्प पत्र में किसानों से संबंधित जो वायदे किए थे, उसमें एक भी वायदा पूरा नहीं किया है। न किसान के कर्ज माफ हुए और न ही किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में कोई कदम उठाया गया। सब जुमला ही रह गया है। यहीं नहीं किसानों के उपयोग में आने वाले कृषि उपकरण, बीज, खाद, रसायन और बिजली-डीजल तक महंगे कर दिए गए।

फोटो स्रोत : गूगल

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने किसानों की आय तो दोगुनी नहीं की पर लागत की बढ़ोतरी और ओलावृष्टि की डबल मार झेल रहे किसानों को डबल इंजन वाली भाजपा सरकार को दोगुना मुआवजा तो देना ही चाहिए। किसानों की मुआवजे की डबल मांग पूरी तरह जायज है। उन्होंने कहा कि किसान महंगाई और भ्रष्टाचार की मार झेल रहा है जबकि भाजपा सरकार ने उद्योगपतियों का 15 लाख करोड़ रूपये का बैंक कर्ज माफ कर दिया है। बैंको से बड़े-बड़े कर्ज लेकर जो उद्योगपति विदेश भाग गए थे, उन्हें भारत लाने के बजाय, उन्हीं कर्जदार उद्योगपतियों को फिर से कर्ज देने के निर्णय से भाजपा सरकार का असली चेहरा और चरित्र सामने आ चुका है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हद तो यह है कि भाजपा सरकार ने पूर्व में भी प्राकृतिक आपदा के शिकार किसानों को मुआवजा नहीं दिया, उनकी फसल को क्षति का सर्वे करने के नाम पर मदद की फाइलें ही बनती रह गईं। इस संवेदनशून्य भाजपा सरकार से क्या उम्मीद की जाए कि वह बारिश और ओलावृष्टि से क्षतिग्रस्त खेती का तत्काल सर्वे कर मुआवजा देगी? उन्होंने कहा कि किसान इस शोषणकारी सरकार को अब और सहन नहीं करेंगे। किसान की राह में कील कांटे बिछाने वाली भाजपा सरकार को किसान ही करारा जवाब देंगे और भाजपा को सत्ता से बाहर करके ही चैन लेंगे।

नमन

समाजवादियों ने लगाए लोहिया-कांशीराम के जयकारे

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश व अन्य राज्यों में समाजवादी पार्टी ने समाजवादी चिंतक डा. राम मनोहर लोहिया व दलित चिंतक मान्यवर कांशीराम की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इन अवसरों पर समाजवादियों ने दोनों महापुरुषों के जयकारे लगाए और उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया।

23 मार्च को डॉ राम मनोहर लोहिया जयंती पर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित डा.राम मनोहर लोहिया पार्क में जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने लोहिया पार्क में स्थित डॉ राम मनोहर लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर और पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित समाजवादी साथियों को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि डा. लोहिया ने भेदभाव, गैरबराबरी, गरीबी, बेरोजगारी के खिलाफ लड़ाई लड़ी। समाजवादी पार्टी डा. लोहिया और बाबा साहब डा.अंबेडकर के बताए रास्ते और उनके विचारों पर चल रही है। आज की राजनीतिक परिस्थितियों में इन दोनों महापुरुषों के विचारों पर चलकर

ही देश में खुशहाली लाई जा सकती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा अपने दस साल की सरकार की नाकामी को छिपाने के लिए हर स्तर पर लोगों को गुमराह कर रही है। भाजपा सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। महंगाई, बेरोजगारी से देश का हर वर्ग परेशान और त्रस्त है। भाजपा ने किसानों, नौजवानों, महिलाओं, व्यापारियों सभी को धोखा दिया है। सभी को झूठे सपने दिखाए। भाजपा की गलत नीतियों के कारण देश हर पैरामीटर में नीचे जा रहा है। भाजपा सरकार ने गरीब और मध्यम वर्ग की कमर तोड़ दी है। युवाओं के पास नौकरी रोजगार नहीं है। किसानों को एमएसपी का कानूनी अधिकार नहीं मिला। भाजपा सरकार में हर वर्ग दुखी है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश की संस्थाओं का दुरुपयोग किया है। भाजपा ने देश की जनता का भरोसा खो दिया है। ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स को लेकर काफी दिनों से बहस चल रही है। इलेक्टोरल बांड ने भाजपा का बैंड बजा दिया है। जब से इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए भाजपा की वसूली का खुलासा हुआ है तब से लोगों को ध्यान हटाने और छिपाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। विपक्षी नेताओं के घरों पर छापे डाले जा रहे हैं। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सुनने में आ रहा है कि जिस कम्पनी ने दिल्ली मामले में घोटाले का आरोप लगाया हैं भाजपा ने उससे भी इलेक्टोरल बांड की वसूली की है। उस कम्पनी ने इलेक्टोरल बांड के जरिए भाजपा को करोड़ों रुपए दिए हैं। श्री अखिलेश यादव ने कहा हमें उम्मीद है कि केजरीवाल के

संत रविदास ने प्रेम व आत्मज्ञान का मार्ग दिखाया

बुलेटिन ब्यूरो

संत शिरोमणि रविदास जी की 647वीं जयंती पर 24 फरवरी को समाजवादी पार्टी ने उन्हें नमन करते हुए याद किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया। संत रविदास को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि संत रविदास ने भटकी हुई मानवता को प्रेम और आत्मज्ञान का मार्ग दिखाया। उन्होंने जातपात का घोर खंडन किया और बिना भेदभाव सबको साधना का सरल मंत्र दिया।

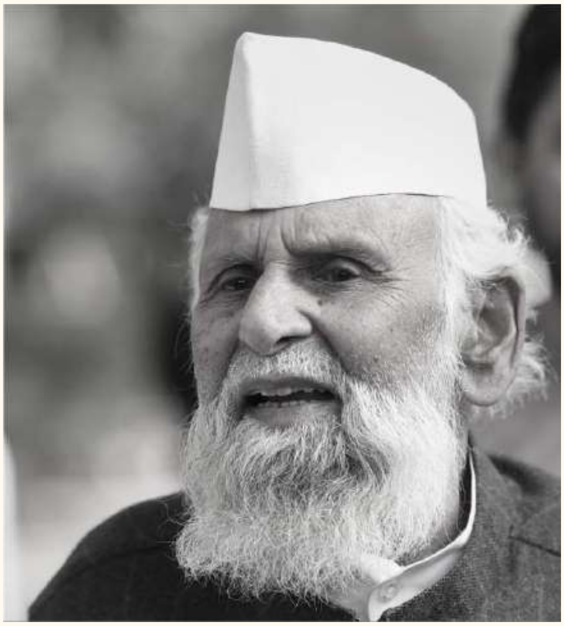

गरीबों की आवाज थे बर्क

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के सांसद शफीकुर्रहमान बर्क का 27 फरवरी को निधन हो गया। वह 94 वर्ष के थे। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने श्री बर्क के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और 6 मार्च को संभल पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि देकर परिवार को सांत्वना दी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि श्री शफीकुर्रहमान बर्क हमेशा गरीब, मजलूमों की आवाज उठाते रहे। उनके निधन से पार्टी और परिवार की अपूरणीय क्षति हुई है। परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए श्री यादव ने कहा कि श्री शफीकुर्रहमान बर्क समाजवादी पार्टी के साथ हमेशा मजबूती के साथ खड़े रहे। उनके इंतकाल से समाजवादी पार्टी को बहुत दुःख है। उनके लाखों साथी, सहयोगी व परिवार के लोग बहुत दुःखी हैं। जनता में उनका बहुत सम्मान था। वह अपनी राय बहुत बेबाकी से रखते थे। जनता से उनका गहरा जुड़ाव था।

मामले में न्यायालय पूरा न्याय करेगा।

15 मार्च को मान्यवर कांशीराम की जयंती पर समाजवादी पार्टी ने कार्यक्रम कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उन्हें शिद्दत के साथ याद किया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में मान्यवर कांशीराम के जन्मदिवस पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मान्यवर कांशीराम दलितों, पिछड़ों, शोषितों एवं वंचितों के मसीहा थे।

मान्यवर कांशीराम को श्रद्धांजलि देने वालों में सर्वश्री इन्द्रजीत सरोज, राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, आर के चौधरी, जावेद आब्दी, अरविन्द कुमार सिंह, शाहिद मंजूर, रफीक अंसारी, अतुल प्रधान, अमिताभ बाजपेयी, कमाल अख्तर, फहीम अहमद, योगेश वर्मा, उदयवीर सिंह, डॉ राजपाल कश्यप, लीलावती कुशवाहा, संजीव यादव के अलावा विकास यादव, मनोज पासवान, डॉ आरके. वर्मा, शकील नदवी, अरविन्द गिरि, सिद्धार्थ सिंह, नीरज पाल, विशम्भर यादव, सलामतुल्ला, चौ राजपाल सिंह, राकेश यादव गुड्डू आदि प्रमुख रहे।

फार्म ४

(नियम ८ देखिए)

१	प्रकाशन का स्थान -	समाजवादी बुलेटिन, 19 विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ
२	प्रकाशन अवधि-	मासिक
३	मुद्रक का नाम-	प्रो. रामगोपाल यादव, सदस्य राज्यसभा
	(क्या भारत का नागरिक है)-	भारतीय
	(यदि विदेशी मूल है तो मूल देश)-	X
	पता-	46 ए फ्रेंड्स कालोनी, इटावा
४	प्रकाशक-	प्रो. रामगोपाल यादव
	(क्या भारत का नागरिक है)-	भारतीय
	(यदि विदेशी मूल है तो मूल देश)-	X
	पता-	46 ए फ्रेंड्स कालोनी, इटावा
५	संपादक-	प्रो. रामगोपाल यादव
	(क्या भारत का नागरिक है)-	भारतीय
	(यदि विदेशी मूल है तो मूल देश)-	X
	पता-	46 ए फ्रेंड्स कालोनी, इटावा
६	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के 1% से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	समाजवादी पार्टी, 19 विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ

मैं प्रो. रामगोपाल यादव एतदद्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार दिए गए विवरण सत्य हैं।

दिनांक- 1 मार्च 2024

प्रकाशक के हस्ताक्षर
प्रो. रामगोपाल यादव

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav

@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

अबकी बार, झूठ की हार

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

'चुनावी चंदे' की मार
अबकी भाजपा बाहर

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh · 11h

- अबकी बार, झूठ की हार

- रामपुर इस बार वोट नहीं भाजपा की नाइंसाफ़ी के ख़िलाफ़ संदेश देगा

- देश की जनता भाजपा के अहंकार को हराएगी

- भाजपा जो अन्याय कर रही है, उसका नतीजा उसे भुगतना पड़ेगा।

- इलेक्टोरल बॉण्ड ने भाजपा का बैंड बजा दिया है।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

इस बार घोषित हुई लोक सभा चुनावों की तिथियों और सात चरणों का देश की जनता और हम सब मिलकर विशेष हर्षोल्लास के साथ अभूतपूर्व स्वागत करते हैं क्योंकि ये सात चरण दरअसल दुख, दर्द और दमन का प्रतीक बन चुकी भाजपा सरकार की सात चरणों में हो रही विदाई की क्रोनोलॉजी है!

सातों चरण हराओ, भाजपा हटाओ!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

'इंडिया' की जो क्रांति पटना से शुरू हुई थी, वो रुकेगी नहीं।
लखनऊ-पटना मिलकर इतिहास रचेंगे!

अबकी पार ~ बिहार से बाहर
PDA NDA को हराएगा

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

दलितों, वंचितों एवं शोषितों को अधिकार दिलाने के लिए जीवनपर्यंत संघर्ष करने वाले मान्यवर श्री कांशीराम जी की जयंती पर शत शत नमन एवं भावभीनी श्रद्धांजलि।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Nice to meet Beate Gabrielsen, Diplomat & Head of Political Section at the Norwegian Embassy in New Delhi.

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

होली की बधाई।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

इलेक्टोरल बॉण्ड काले धन को सफ़ेद करने की भाजपाई गारंटी है।

इलेक्टोरल बॉण्ड 'Black Money Tourism' मतलब पैसा बाहर ले जाकर वापस लाने के शुद्धीकरण की भाजपाई गारंटी है।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

संभल में सपा सांसद मरहूम शफीकुर्रहमान बर्क साहब जी के निधन के उपरांत उनके परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना प्रकट की।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

बनाओ तरक़्क़ी की राहें ऐसी कि सूरज भी आए देखने...

#सपा_का_काम_जनता_के_नाम

Translate Tweet

Following

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

रमज़ान मुबारक

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

आज सपा कार्यालय में सावित्रीबाई फुले जी की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर अर्पित की श्रद्धांजलि।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

सभी समाजवादी नेताओं को राज्य विधान परिषद उ0प्र0 का निर्विरोध सदस्य निर्वाचित होने पर बधाई एवं शुभकामनायें।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

जब देश के नागरिक रोज़ी-रोटी के लिए बाहर जाने पर मजबूर हैं तो दूसरों के लिए 'नागरिकता क़ानून' लाने से क्या होगा?

जनता अब भटकावे की राजनीति का भाजपाई खेल समझ चुकी है। भाजपा सरकार ये बताए कि उनके 10 सालों के राज में लाखों नागरिक देश की नागरिकता छोड़ कर क्यों चले गये।

चाहे कुछ हो जाए कल 'इलेक्टोरल बांड'
का हिसाब तो देना ही पड़ेगा और फिर 'केयर फ़ंड' का भी।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

प्रार्थनाओं पर प्रहार अच्छा नहीं!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

RO/ARO परीक्षा का रद्द होना बताता है कि भाजपा पहले हर संभव कोशिश करती है अपने कुकर्म को छिपाने की लेकिन जब जनता का दबाव पड़ता है तो चुनावी हार के डर से पीछे भी हटती है।

ये युवाओं की जीत है और आगामी चुनाव में भाजपा की हार का एक और पक्का संदेश।

भाजपा की हार का पर्चा लीक हो गया है।

भाजपा हटाओ, नौकरी पाओ!

#RO
#RO_reexam
#RO_ARO_REEXAM
#RO_ARO_PAPER_लीक
#RO_ARO_PAPER_LEAK
#RO_ARO_PAPER_रद्द_करो

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

'भाजपा कुराज' में बेरोज़गार बैठे उप्र के रचनात्मक-प्रतिभावान युवाओं ने भाजपावालों के झूठे वादों के लिए जो नया शब्द समीकरण दिया है, वो स्वागतयोग्य है और अति प्रशंसनीय भी:

जुमला+गारंटी= जुमांटी

भाजपावाले अब जहाँ-जहाँ जाएंगे, वहाँ-वहाँ भाजपाई झूठ की पोल खोलता ये एक अकेला शब्द 'जुमांटी' उनको दिखेगा और वो सिर झुकाकर भाग खड़े होंगे।

लोकसभा चुनाव 'भाजपाई जुमांटी' को हराने के लिए होगा!

उप्र और देश की युवा शक्ति ज़िंदाबाद!

#जुमांटी
#Jumantee
#भाजपा_कुराज

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

जिस राज्य का पेपर आउट हुआ वहाँ भी भाजपा की सरकार और जिस राज्य में पेपर आउट करवाया गया, वहाँ भी भाजपा की सरकार।

दोनों ही मौसेरे भाई!

परीक्षार्थी पूछ रहे हैं बाकी सारे पेपर भी वहीं लीक हुए या उन दूसरे राज्यों में जहाँ भाजपा की सरकारें हैं।

#नहीं_चाहिए_भाजपा

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

जैसे समुद्र मंथन हुआ था वैसे ही ये 'संविधान मंथन' है।

एक तरफ़ हम जैसे संविधान के संरक्षक हैं और दूसरी तरफ़ उन जैसे संविधान के भक्षक हैं।

संविधान बचेगा तो आरक्षण बचेगा, आरक्षण बचेगा तो नौकरी बचेगी।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

भाजपा हटाओ, नौकरी पाओ!

Translate Tweet

यूपी: CM योगी ने कहा- "हमने नियुक्ति पत्र बांटे", शिक्षक अभ्यर्थियों ने दिखाए 'नियुक्ति दो के पोस्टर'!

सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मियों के हाथ-पाँव फूल गए। एक अधिकारी ने दौड़कर पोस्टर छीन लिया। इसके बाद इन छात्रों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

भाजपा हटाओ, नौकरी पाओ!

Translate Tweet

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2024-2026 कुल पृष्ठ : 52 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

ताक़तवर आदमी

समाजवादी पार्टी
/samajwadiparty
www.samajwadiparty.in
QR कोड स्कैन करें और वाट्स-एप चैनल से जुड़ें
/Akhilesh Yadav
/Samajwadi Party

जब ताक़तवर आदमी ने कहा
कि उसे और भी ताक़त चाहिए
तो मुझे अपनी दुर्बल भंगुर देह दिखाई दी
जो शाम होते-होते थकान से चूर हो जाती थी और आराम चाहती थी
जब ताक़तवर आदमी ने कहा कि वह ग़रीब माँ का बेटा पैदा हुआ
और यहाँ तक पहुँच गया
तो मुझे याद आई वह मेरी माँ जो अब दुनिया में नहीं है
जिसके योग्य बनने में मेरी पूरी उम्र निकल गई
जब ताक़तवर आदमी ने कहा कि तमाम लोग उससे बेहद ख़ुश हैं
तो मुझे हवा में बहुत से चेहरे तैरते हुए दिखाई दिए
जो लगता था कहीं न कही मुझसे रूठे हुए हैं
और मेरी किसी ग़लती की ओर इशारा कर रहे हैं
जब ताक़तवर आदमी ने लगभग रोते हुए कहा
कि उसने देश के लिए घर त्याग दिया शादी नहीं की
तो मैंने सोचा मैं कितना ख़ुशनसीब था
कि रात को लौटने के लिए मुझे एक जगह नसीब हुई
एक भली-सी पत्नी मिली
जिसने अपने प्रेम के एवज़ में मुझसे कुछ नहीं चाहा
जब ताक़तवर आदमी ने कहा
कि उसे देश के शत्रुओं से घृणा है
और उनमें से बहुत से लोग देश के भीतर ही छिपे हुए है
तो मुझे गहरी चिंता हुई
कि कहीं मनुष्य के प्रति मेरे भीतर प्रेम घटने न लग जाए
जब ताक़तवर आदमी ने परेशान होकर कहा
कि बहुत से लोग मेरी जान के पीछे पड़े हैं
वे मुझे मार देना चाहते हैं
तो मैंने अपने मामूली से अस्तित्व के बारे में सोचा
जिसे सँवारने में कितने ही हाथों ने मदद की
जब ताक़तवर आदमी ने एक रात संदेश प्रसारित किया
कि वह अभी कई साल ताक़तवर बने रहना चाहता है
तो मैंने सुबह उठकर किसी अज्ञात से प्रार्थना की
बस आज के दिन बचा रहे मेरा यह धुँधला-सा जीवन।

- **मंगलेश डबराल**

(साभार: हिन्दवी)